दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 घर में घुसकर युवती से छेड़खानी

5 22 जनवरी का देशवासियों को इंतजार राम मंदिर का होगा अभिषेक समारोह

8 श्रीलंका में नाटक जारी, क्रिकेट बोर्ड बहाल

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 16 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 13 नवम्बर, 2023

अयोध्या में दिव्य अद्भुत दीपोत्सव

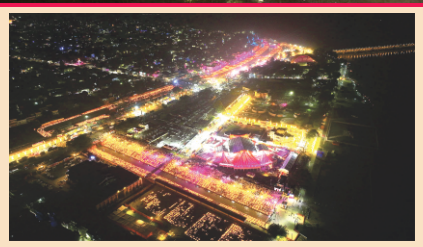

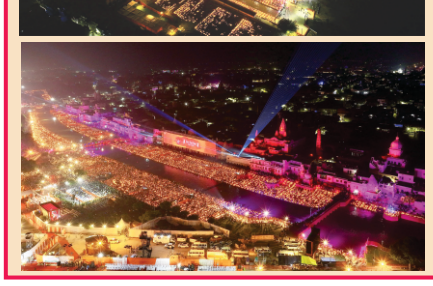

दिल्ली। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय! लाखों दीयों से जगमग अयोध्या नगरी के भव्य दीपोत्सव से सारा देश प्रकाशमान हो रहा है। इससे निकलने वाली ऊर्जा पूरे भारत में नए उत्साह का संचार कर रही है. मेरी कामना है कि भगवान श्री राम सभी देशवासियों का कल्याण करें और मेरे परिवार के सभी सदस्यों के लिए प्रेरणा बनें. जय सिया राम। वहीं, हिमाचल प्रदेश के लेप्चा में पीएम मोदी ने जवानों के साथ दिवाली का उत्सव मनाया। उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर लिखा है बहादुर सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के लेप्चा आया हूं। लेप्चा में पीएम नरेंद्र मोदी ने जवानों के साथ तिरंगा फहराया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि जवानों के साथ दिवाली मनाना गर्व से भरा अनुभव है। जवान अपने समर्पण से हमारा जीवन रोशन करते हैं। देश जवानों का कृतज्ञ और ऋणी है। भारतीय सेनाओं और सुरक्षा बल के पराक्रम का उद्घोष और यह ऐतिहासिक धरती और दीपावली का त्योहार यह अद्भुत संयोग है। यह अवसर मेरे लिए भी और देशवासियों के लिए भी जोश से भर देने वाला है। पर्व वहीं होता है जहां परिवार होता है। पर्व के दिन अपने परिवार से दूर सीमा पर तैनात रहना, यह अपने आप में कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। पीएम मोदी ने जवानों को मिठाई खिलाकर दिवाली का उत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि आप सभी उत्साह से भरे हैं क्योंकि आप जानते हैं कि १४० करोड़ देशवासियों का ये बड़ा परिवार भी आपका अपना ही है। देश इसलिए आपका कृतज्ञ और ऋणी है। इसलिए दीपावली पर हर घर में एक दीया आपकी सलामती के लिए भी जलता है। इसलिए हर पूजा में एक प्रार्थना आप जैसे वीरों के लिए होती है।

खेत में पड़ा था महिला का सिर और हाथ कटा शव, प्रापर्टी विवाद में हत्या का शक, बैगन से पुलिस को मिला सुराग

फतेहपुर। हत्या के पीछे प्रापर्टी विवाद का मामला आया है। सीओ ने बताया कि महिला के शव की शिनाख्त हो चुकी है। देर शाम खजवा कस्बे के वीरपुर गांव कुएं से महिला के दोनों हाथ बरामद किए हैं। मामले की गहनता से जांच चल रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। फतेहपुर जिले के चौडगरा कस्बे में रामगंगा निचली नहर की पटरी पर महिला का सिर व दोनों हाथ कटा हुआ शव बरामद हुआ। देर रात पुलिस शव की शिनाख्त कर सकी। देर शाम पुलिस ने वीरपुर गांव स्थित कुएं से महिला के दोनों हाथ बरामद किए हैं। हत्या की वजह प्रापर्टी बताई जा रही है। कानपुर महाराजपुर थाना क्षेत्र के हाथीगांव निवासी रजनी कुशवाहा (३०) के पति दयाराम कुशवाहा की करीब १० साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद रजनी परिवार से अलग रहती थी। वह सिलाई और कास्मेटिक की दुकान संचालित कर परिवार का भरण-पोषण करती थी। एक माह पहले ससुर ननकऊ कुशवाह मौत हो गई। ननकऊ के दयाराम के अवाला तीन पुत्र शिवराम, जयराम, सियाराम थे। ननकऊ से कुछ दिनों पहले तीनों बेटों ने जमीन का बैनामा करा लिया था। पता लगने पर बैनामे में रजनी ने आपत्ति दाखिल की थी।

शव के सिर और दोनों हाथ कटे हुए थे

इधर, रजनी का शुक्रवार सुबह कल्यानपुर थाना क्षेत्र के कोरसम गांव नहर पटरी पर झाड़ियों के बीच शव मिला। ग्रामीण शव देखकर सिहर गए। सिर और दोनों हाथ कटे हुए थे। एसपी उदय शंकर सिंह, एएसपी विजय शंकर मिश्रा, फोरेसिंक टीम समेत भारी अमला मौके पर पहुंचा।

नाक की कील और गले का माला भी मिला

घटनास्थल पर गोल बैगन के दो बोरे पड़े मिले। मृतका की नाक की कील, गले का माला मिला। महिला मैक्सी पहने हुए थी। एसपी ने जांच में चार टीमें लगाई। हाथीगांव से महिला और उसके देवरों के लापता होने का पता लगा। इसके आधार पर बिंदकी सीओ सुशील दुबे ने टीम के साथ हाथीगांव से लोगों की धरपकड़ की।

हत्या के पीछे प्रापर्टी विवाद का मामला आया है

हत्या के पीछे प्रापर्टी विवाद का मामला आया है। सीओ ने बताया कि महिला के शव की शिनाख्त हो चुकी है। देर शाम खजवा कस्बे के वीरपुर गांव कुएं से महिला के दोनों हाथ बरामद किए हैं। मामले की गहनता से जांच चल रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बैगन से पुलिस को मिला सुराग

कोरसम गांव में शव मिलने वाली जगह पर गोल बैगन के दो बोरे मिले हैं। एक बोरा जूट और दूसरा बोर खाद का है। दोनों बोरे फटने से बैगन बिखरे मिले हैं। इन बैगनों की पैदावार आसपास के कुछ चिन्हित गांवों में होती है। इन गांवों में संपर्क करने के दौरान जिला पुलिस ने कानपुर महाराजपुर पुलिस से संपर्क किया।

बोरे में बैगन मिलने से घटना किसान परिवार की मानी जा रही

इससे महिला की पहचान हो सकी। बोरे में बैगन मिलने से घटना किसान परिवार की मानी जा रही थी। बैगन की पैदावार कानपुर के महाराजपुर की गंगा कटरी, कल्यानपुर थाना क्षेत्र के भाऊपुर गांव किनारे कटरी, खजुहा चौकी आसपास के गांव, बकेवर थाने के शाहजहांपुर, औंग के बनियनखेड़ा गांव के किसान करते हैं।

पुलिस फुटेज खंगालने में जुटी है

इस तरह से पुलिस बैगन के सहारे महिला की शिनाख्त में कामयाब हो सकी। वारदात स्थल पर आने और जाने के चार प्रमुख रास्ते हैं। पुलिस चारों रास्तों के फुटेज खंगालने में जुटी है। पुलिस को हाथीगांव में जांच के दौरान रजनी के घर से कुछ टूटे बाल और तोड़िया बरामद हुई है।

शव ठिकाने लगाने कातिल लेकर आए हैं

इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्या हाथीगांव में गला दबाकर की होगी। शव ठिकाने लगाने कातिल लेकर आए हैं। पुलिस ने काटे गए सिर और हाथों की क्षेत्र में १०० मीटर तक तलाश की। कोई सुराग नहीं लग सका। हालांकि देर रात दोनों हाथ बरामद कर लिए गए हैं।

गोरखपुर में कालाबाजारी

बाज नहीं आ रहे धंधेबाज... 40 रुपये में बेच रहे नेफेड का 25 वाला प्याज

गोरखपुर। गोरखपुर में महंगे प्याज से लोगों को राहत दिलाने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से शहर में स्टाल लगवाकर प्याज को २५ रुपये किलो के दर से बेचा जा रहा है। लेकिन मंडी के कुछ आढ़ती इस सरकारी प्याज पर भी जमकर मुनाफा वसूलने में लगे हुए हैं। गोरखपुर जिले के महेवा थोक मंडी में प्याज की कालाबाजारी कम होने का नाम नहीं ले रही। लोगों को राहत दिलाने के लिए नेफेड के जिस प्याज को प्रशासन खुदरा में २५ रुपये किलो बिकवा रहा है, उसे थोक मंडी में ४० रुपये किलो बेचकर आढ़ती इस पर जमकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। फुटकर बाजार में प्याज ६० रुपये किलो के बीच बिक रहा है। वहीं, थोक में प्याज की कीमत ४० से ४८ रुपये किलो है। महंगे प्याज से लोगों को राहत दिलाने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से शहर में स्ट ल लगवाकर प्याज को २५ रुपये किलो के दर से बेचा जा रहा है। लेकिन मंडी के कुछ आढ़ती इस सरकारी प्याज पर भी जमकर मुनाफा वसूलने में लगे हुए हैं। दोपहर करीब दो बजे महेवा मंडी का एक आढ़ती नेफेड के प्याज को ४० रुपये किलो की दर से बेचवा रहा था। मंडी के जिम्मेदारों की नजर उस पर न पड़े, इसके लिए दुकान से कुछ दूरी पर डीसीएम पर ही उसने अपनी दुकान सजाई हुई थी। सड़क किनारे ही तराजू लगाकर प्याज को तौलकर बेचा जा रहा था।

पंजाब के नए आलू ने दी बाजार में दस्तक

गोरखपुर बाजार में पंजाब के नए आलू ने दस्तक दे दी है। पंजाब से नए आलू की एक गाड़ी महेवा थोक मंडी पहुंची। लेकिन, इनकी कीमत पुराने आलू से दोगुनी है। थोक मंडी में नए आलू का भाव २४ से २८ रुपये किलो के बीच रहा। वहीं खुदरा में नया आलू ३५ से ४० रुपये किलो के बीच बिका। महेवा मंडी के व्यापारी अजय ने बताया कि पंजाब से नए सफेद आलू की आवक शुरू हो गई है, लेकिन लोकल नए आलू के लिए लोगों को एक महीने का और इंतजार करना पड़ेगा। नए आलू की आवक कम होने से इनके दाम ज्यादा हैं।

हाईवे पर हादसा

छह मृतकों में कुशीनगर के पांच यात्री, बस चालक बिहार का

गोरखपुर। यात्रियों को लेकर कुशीनगर जा रही बस का पहिया जगदीशपुर के पास पंक्चर हो गया। दूसरे बस में यात्री सवार हो रहे थे, तभी पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। गोरखपुर-कुशीनगर हाईवे पर जगदीशपुर के पास बृहस्पतिवार की रात हादसे में मरने वाले सभी छह लोगों की पहचान हो गई है। मृतकों में शामिल बस चालक शैलेश बिहार, जबकि पांच यात्री कुशीनगर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के रहने वाले थे। गोरखपुर पुलिस ने सभी का पोस्टमार्टम कराकर शव को उनके परिवारीजनों को सौंप दिया है। हादसे के शिकार लोग, दिवाली मनाने के लिए विभिन्न शहरों से घर लौट रहे थे। गोरखपुर में ट्रेन से उतरने के बाद बस में सवार होकर कुशीनगर जा रहे थे। एडीजी अखिल कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी ली।

सम्पादकीय

अंतर्विरोधों से परिपूर्ण भाजपा के चुनावी वादे

५ राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिये प्रमुख राजनैतिक दलों का प्रचार अभियान जैसे-जैसे चरम पर पहुंच रहा है, कुछ घोषणापत्रों के जरिये तो कुछ भाषणों के माध्यम से वादे किये जा रहे हैं। कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में प्रमुख मुकाबला है- राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़। तेलंगाना में पहले वहां की सत्तारुढ़ पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) और भाजपा के बीच आमने-सामने की लड़ाई थी पर अब कांग्रेस के साथ बीआरएस को संघर्ष करना पड़ रहा है। भाजपा तीसरे क्रमांक पर है। मिजोरम में भी कांग्रेस ही सत्तारुढ़ मिजो नेशनल फ्रंट को चुनौती दे रही है।

एक ओर कांग्रेस की कमान सम्भालने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं अन्य नेतागण कांग्रेस की गारंटियों को भरोसेमंद बतला रहे हैं वहीं भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (और उनके प्रमुख सिपहसालार गृह मंत्री अमित शाह) बतला रहे हैं कि उनकी कही बात खाली नहीं जायेगी। ऐसे में यह सबसे माकूल वक्त है कि इन राज्यों में दिये जा रहे आश्वासनों, वादों और गारंटियों के टिकाऊपन तथा विश्वसनीयता की समीक्षा की जाये- खासकर राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में। ऐसा नहीं कि मिजोरम एवं तेलंगाना के चुनाव महत्वहीन हैं। ऐसा इसलिये कि इन दो राज्यों में इन गारंटियों के परीक्षण का पैमाना या तो सीमित है (मिजोरम में, जहां विकास, धार्मिक आजादी एवं विविधता के संरक्षण की गारंटी कांग्रेस दे रही है) अथवा इन तीन राज्यों जैसा राजनैतिक समीकरण वहां नहीं हैं।

मिजोरम में भाजपा मुकाबले में तो नहीं है लेकिन वहां तुलना कांग्रेस व केन्द्र में बैठी भाजपा के बीच हो रही हैय जबकि तेलंगाना में भाजपा का पहले ही साफ होता सूपड़ा दिखने से कोई इन दोनों के बीच समानता या विरोधाभास की बात ही नहीं कर रहा है। वहां गारंटियों की तुलनात्मक समीक्षा कांग्रेस व बीआरएस को आमने-सामने रखकर हो रही है।

बहरहाल, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के मामलों में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही आ रही है कि इन दोनों राज्यों की कांग्रेसी सरकारों ने पिछले पांच वर्षों में जनता का भरोसा इसलिए जीता है कि वहां पर पिछले चुनावों में किये गये वादे न केवल पूरे किये गये बल्कि घोषित अवधि में अमल में लाये गये। मसलन, पिछली बार छत्तीसगढ़ ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट बैठक में ही किसानों की कर्ज माफी का फैसला लिया जायेगा- वैसा हुआ। इस बार फिर से अगली सरकार के बनने पर ऋण माफ करने का वैसा ही ऐलान कांग्रेस ने कर दिया है। ऐसे ही, धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने, उस पर बोनस देने, प्रति एकड़ २० क्विंटल धान खरीदने, बेरोजगारी भत्ता देने आदि सम्बन्धी जो भी वादे किये गये थे, वे सारे के सारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने पूरे कर दिखाये हैं। जनता के पास अविश्वास का कोई कारण नहीं है।

भाजपा के पास यह कहने का अवसर भी नहीं है कि ऐसा हो नहीं सकता। छग कांग्रेस के पास ऐसे कई वादों की फेहरिस्त है जो उसकी निवर्तमान सरकार द्वारा पूरे किये गये हैं। उधर राजस्थान की बात करें तो वहां पुरानी पेंशन योजना, सस्ता गैस सिलेंडर आदि के वादे भी पूरे किये गये हैं। पूरे किये गये वादों के चलते दोनों राज्यों में सरकार विरोधी भावना नहीं के बराबर है। दूसरी तरफ मध्यप्रदेश सरकार के खिलाफ जो प्रचंड नाराजगी नजर आ रही है वह वहां व्याप्त भारी भ्रष्टाचार के कारण भी है जिसके कारण घोषित योजनाएं तक ठीक से लागू नहीं हो पाई हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अगर अपने व्यक्तिगत प्रयासों से वहां इन असफलताओं के बावजूद नैया पार लगा भी लेते तो वहां भाजपा नेतृत्व ने सात सांसदों या केन्द्रीय नेताओं को चुनावी मैदान में उतारकर चौहान की नाकेबंदी कर दी है। परेशान भाजपा को देखा-देखी में ऐसी-ऐसी घोषणाएं करनी पड़ रही हैं जिनमें अनेक विसंगतियां तथा अंतर्विरोध नजर आते हैं। इसके चलते वे अविश्वसनीय लग रही हैं और लोगों को प्रभावित करने में नाकाम भी दिखती हैं। (मौका मिला तो) कुछ वादे भाजपा लागू करती भी है तो वह उसके स्थापित विचारों के खिलाफ हैं। अपनी गारंटियों को विश्वसनीयता दिलाने के लिये उन्हें मोदी के नाम से जोड़ा जा रहा है परन्तु उससे स्थिति और उलझ रही है। मोदी ने तीनों राज्यों (राजस्थान, मप्र व छग) में पार्टी के वादों को अपनी व्यक्तिगत गारंटियां घोषित कर दिया है। यह एक तरह से चौहान के लगभग १८ वर्ष तथा भूपेश के पूर्व सीएम डा . रमन सिंह के १५ साल के कामों को श्रेय न देने जैसा है। कांग्रेस से बढ़कर घोषणा करने के चक्कर में छत्तीसगढ़ भाजपा के संकल्पपत्र में प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान खरीदी का आश्वासन दिया गया है क्योंकि कांग्रेस ने २० क्विंटल का भरोसा दिया है। मजेदार बात यह है कि भाजपा के ही एक पूर्व मंत्री कांग्रेस की इस घोषणा को इसलिये दिखावटी कह चुके हैं कि राज्य में कहीं भी १७ क्विंटल से ज्यादा धान का उत्पादन असम्भव है। जिस नगद राशि वितरण को भाजपा रेवड़ियां कहती थी, वह अब उसके वादों के रूप में खूब बंट रही है। मनरेगा को वह अपनी उपलब्धि बता रही है जिसका कभी मोदी संसद में कांग्रेस की विफलता का स्मारक कहकर मजाक उड़ाते थे। ओबीसी के मुद्दे पर भाजपा निरूत्तर है क्योंकि कांग्रेस जातिगत जनणना की बात कर रही है, वहीं मोदी इस पर इतना ही कह पा रहे हैं- मैं ओबीसी हूं इसलिये कांग्रेस मुझे गालियां देती है। गारंटियों की स्पष्टता व विश्वसनीयता ही हार-जीत तय करेगी।

पांच किलो मुफ्त अनाज में डूबा देश

पता नहीं कांग्रेसी नेता गांव के लोगों से कितना मिलते हैं। लेकिन अगर मिलते होते और उनकी सुनते समझते तो उन्हें मालूम होता कि यह पांच किलो फ्री अनाज कैसा नशा बन गया है। गांव में अपने घर में मुफ्त राशन मिल जाने के बाद वह किसी काम का नहीं रहता। उससे पांच किलो से ज्यादा अनाज की बात करना होगी। काम देने का भरोसा देना होगा। आचार संहिता वंहिता छोड़िए आप! प्रधानमंत्री मोदी पर वह कोई लागू नहीं होती है। मोदी से पहले किसी प्रधानमंत्री पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के इतने आरोप नहीं लगे। हर चुनाव में चाहे विधानसभा के हों या लोकसभा के विपक्ष चुनाव आयोग के पास जाता है मगर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक बार जरूर तीनों चुनाव आयुक्तों को २०१९ में मोदी के भाषणों के खिलाफ लंबी सुनवाई करनी पड़ी थी और एक चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने मोदी के भाषणों को आपत्तिजनक माना था। मगर बाकी दो सदस्यों जिनमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त भी थे मोदी को क्लीन चिट देना चाह रहे थे और फिर उन्होंने दी भी। मगर दो-एक के बहुमत से। लवासा ने सर्वसम्मति से वह फैसला नहीं होने दिया था। अपने फैसले को सही बताते हुए लवासा ने इस्तीफा दे दिया। मोदी और अमित शाह के खिलाफ ६ मामले चुनाव आयोग के सामने थे। जिनमें एक यह था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि राहुल वायनाड से इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि वहां बहुसंख्यक वोट कम हैं। अल्पसंख्यकों की शरण में गए हैं। यह भाषण उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान महाराष्ट्र में दिया था। दूसरा एक मामला था जहां प्रधानमंत्री पुलवामा के शहीदों के नाम पर वोट मांग रहे थे। एक और भाषण में उन्होंने कहा कि परमाणु बम क्या हमने दीवाली के लिए रखा है। शाह के खिलाफ आरोप था कि उन्होंने भारतीय सेना को मोदी की सेना बोला है। इन सारे मामलों को लवासा गंभीर मान रहे थे जबकि बाकी दोनों उनमें कुछ भी अनुचित नहीं देख रहे थे। ऐसे जाने कितने मामले हैं। अभी गुजरात विधानसभा में वोट डालने के बाद वे रोड शो करते हुए अपने भाई के घर गए। २०१७ के यूपी विधानसभा चुनाव में तो मायावती ने उनकी शिकायत की थी। अब शायद उनसे पूछो तो वे कहेंगी कि मैं वापस ले लेती हूं! मोदी जी के खिलाफ मैं सोच भी नहीं सकती।

तो अब चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ से प्रधानमंत्री की पांच साल और मुफ्त राशन की घोषणा आचार संहिता का उल्लंघन है, जैसा सवाल बेमतलब हो गया है। औपचारिकता के लिए कांग्रेस को चुनाव आयोग जाना हो तो जाए मगर जवाब उसे राजनीतिक ही देना होगा। टीवी अखबारों में यह घोषणा सुर्खियों में है। मोदी जी परवाह न करते हों मगर मीडिया थोड़ा सा अभी डरता है इसलिए इसे मास्टर स्ट्रोक नहीं कह पा रहा है। मगर है यह वाकई मास्टर स्ट्रोक! छत्तीसगढ़ में मतदान के पहले चरण से ठीक पहले प्रधानमंत्री द्वारा की गई यह घोषणा लाभार्थियों के लिए बड़ा आश्वासन है। राहुल गांधी के शब्दों में कहें तो गारंटी। लेकिन अगर कांग्रेस चाहती तो इसकी काउंटर गारंटी दे सकती थी। मोदी जी राजनीति के गहरे खिलाड़ी हैं। उनसे मुकाबला उसी स्तर पर हो सकता है। किसी बड़े माने जाने वाले टीवी एंकर के साथ हैलिकाप्टर में घूमने से नहीं। पार्टी एंकर को देश में नफरत फैलाने के लिए आरोपित करती है। अपने विपक्षी दलों के गठबंधन इन्डिया के द्वारा बाकायदा लिस्ट निकालकर उनका बहिष्कार करती है। मगर उसी को हैलिकाप्टर में घूमाकर इंटरव्यू दिया जाता है। इससे कितने वोट मिल जाएंगे यह कांग्रेस को बताना चाहिए। मगर इन सब से कुछ होता नहीं। केवल नेता को यह खुशफहमी हो जाती है कि उसका चेहरा टीवी पर चमक गया। मगर उसका जरा सा चेहरा टीवी पर चमकाने के बदले मीडिया राहुल की छवि और खराब करने की छूट पाती है। हमने इन नेताओं को यह कहते सुना है कि हमसे तो अच्छी तरह मिलती हैं या मिलते हैं पता नहीं राहुल के साथ क्या समस्या है। मतलब समस्या राहुल में है। नफरती मीडिया में नहीं। अभी जो एंकर हैलिकाप्टर में घूम रही थीं उन्होंने कांग्रेसी नेता के लिए एक से एक विशेषणों का प्रयोग किया। ब्राइट एंड फ्रेश। ऊर्जावान और उत्साही। कभी न हारने वाले और जाने क्या क्या! तो नेताजी फूले नहीं समा रहे। मुझमें इतने सारे गुण। तभी तो आईं थीं मेरा इंटरव्यू लेने। मगर कभी यह नहीं सोचते कि क्या राहुल के वास्तविक गुणों में से एक भी ये टीवी एंकर बता सकती हैं? अगर बता दें तो इनकी नौकरी तो छोड़िए ईडी भी पहुंच जाएगी। मगर कांग्रेस के नेताओं को सिर्फ खुद से मतलब है पार्टी और राहुल से नहीं।

खैर इससे राहुल की ताकत पर कोई असर नहीं पड़ता है। तो मुख्य मुद्दा था फ्री राशन पांच साल और। अब इसका जवाब यह नहीं हो सकता जो बहुत सारे लोग और कांग्रेसी भी दे रहे हैं कि साढ़े ९ साल में क्या किया? गरीब की हालत और खराब कर दी कि वह फ्री राशन पर रहने लगा। पांच साल और मतलब उसकी हालत ऐसी ही रखोगे या यह जो कांग्रेस कह रही है कि यह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना कुछ नहीं है हमारी नेशनल फूड सिक्योरटी एक्ट की ही नकल है इससे कुछ नहीं होगा।

मंगलवार को मिजोरम की सभी और छत्तीसगढ़ की २० सीटों पर मतदान हो जाएगा। इनमें आदिवासी संभाग बस्तर भी है। जहां के करीब-करीब सभी मतदाता पांच किलो मुफ्त राशन का फायदा उठा रहे हैं। १२ सीटें हैं यहां जिनमें से ११ आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। यह १२ में से १२ सीटें कांग्रेस के पास हैं। अब आप समझ सकते हैं कि प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ से यह घोषणा क्यों की और उस दुर्ग जिले में की जहां भी मंगलवार को मतदान होना है।

अब यह घोषणा तात्कालिक रूप से छत्तीसगढ़ की बस्तर और दुर्ग की २० सीटों पर प्रभाव डाल सकती है। और बाद में हर जगह। इसका जवाब वही जैसा हमने ऊपर कहा राहुल की काउंटर गारंटी। गारंटी पर गारंटी ही दे सकती है। और राहुल का जवाब देना या यूं कहें जनता को और ज्यादा हिम्मत बंधाना वाजिब भी है। मगर कहा अगर सही समय पर न जाए तो कोई फायदा नहीं। कांग्रेस की अधिकांश कहानी यही है कि जब चिड़िया खेत चुग जाती हैं तब वह पछताती रहती है। बाबा केदारनाथ के पास से अच्छी जगह कौन सी हो सकती है। वहीं से कहना चाहिए कि अगले पांच साल इतना ही! बिल्कुल नहीं। गरीबों को बढ़कर राशन भी मिलेगा और काम भी।

भाजपा के नेतृत्व वाली आचार समिति द्वारा महुआ मोइत्रा का उत्पीड़न शर्मनाक

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस मामले में कोई संवैधानिक कार्यवाही शुरू करेंगे या नहीं, क्योंकि इसमें कई लोगों की हिस्सेदारी है। लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा उन्हें दंडित करने और सदन से बाहर निकालने के लिए अपनी पूरी ताकत लगायेगी। भाजपा का तंत्र किसी को भी अडानी और मोदी के खिलाफ बोलने को बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारतीय संसदीय कामकाज के इतिहास में पहले कभी किसी विधायी पैनल के अध्यक्ष को चरित्र हनन और स्त्रीद्वेषी विंति की इतनी तीखी आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा, जितना कि लोकसभा आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर को करना पड़ रहा है। टीएमसी सदस्य महुआ मोइत्रा द्वारा उनके खिलाफ लगाये गये आरोप पर संदेह करने का कोई स्पष्ट कारण नहीं है, जिसे समिति में विपक्षी सदस्यों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से दोहराया गया था, कि पैनल के अध्यक्ष भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर ने संसद में प्रश्न पूछने के लिए एक व्यवसायी हीरानंदानी से धन तथा अन्य फायदा लेने के आरोप से सम्बंधित प्रश्न पूछने के बदले बड़े ही दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक तरीके से असम्बद्ध सवाल किये। उनके इस व्यवहार से नाराज विपक्षी दल के सदस्य विरोध में बैठक ह ल से बाहर चले गये। मोइत्रा पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर सवाल पूछने का आरोप लगा है। यह भी आरोप लगाया गया कि उसने दुबई स्थित व्यवसायी के साथ अपने ल गिन क्रेडेंशियल साझा किये। मोइत्रा के खिलाफ शिकायत झारखंड के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने की थी। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा पारिस्थितिकी तंत्र और उसका मीडिया सेल मोइत्रा को लोकसभा से हटाने और उनके राजनीतिक कॅरियर को समाप्त करने के लिए एक अच्छी तरह से तैयार किये गये जाल के साथ तैयार है। उनके लिए उनका चरित्र हनन और एक सस्ती और लालची महिला के रूप में उनकी छवि खराब करना सबसे अच्छा उपाय था।

खुद मोइत्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बताया है, उनसे पूछा गया कि उन्होंने देर रात किससे, किस स फ्टवेयर पर और कितनी देर तक बात की। वे जानना चाहते थे कि जिन लोगों से उन्होंने बात की उनकी पत्नियों को इसके बारे में पता था या नहीं। सोनकर ने बाद में कहा कि समिति को मामले की व्यापक जांच करने का काम सौंपा गया था और सहयोग करने के बजाय, मोइत्रा विपक्षी सदस्यों के साथ क्रोधित हो गयीं और उन्होंने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उनके खिलाफ अनैतिक दावे किये। लेकिन उनका स्पष्टीकरण उन्हें मोइत्रा के उन आरोपों से बरी नहीं करता कि उन्होंने जानबूझकर उनसे अनैतिक और अपमानजनक सवाल पूछे। मामला तब तूल पकड़ा जब समिति अध्यक्ष ने व्यक्तिगत सवाल पूछना शुरू कर दिया जैसे मोइत्रा ने रात में हीरानंदानी को कितनी बार फोन किया, वह दुबई और मुंबई में किस होटल में रुकी थीं। पैनल के एक विपक्षी सांसद ने कहा, हमने आपत्ति जताई और मोइत्रा ने भी।

मोइत्रा की पीड़ा और आहत भावनाएं गुरुवार को बैठक कक्ष से बाहर आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे उनके पत्र में परिलक्षित हुईं, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सुनवाई के दौरान आचार समिति के अध्यक्ष द्वारा उन्हें कहावती वस्त्रहरण का शिकार होना पड़ा। मोइत्रा ने यह भी लिखा- समिति को खुद को आचार समिति के अलावा किसी अन्य नाम से नामित करना चाहिए क्योंकि इसमें कोई नैतिकता नहीं बची है। विषय से संबंधित प्रश्न पूछने के बजाय, अध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण और स्पष्ट रूप से अपमानजनक बयान देकर पूर्वकल्पित पूर्वाग्रह का प्रदर्शन किया।श जिस तरह से मुझसे सवाल किया जा रहा था, उसे सुनकर उपस्थित ११ सदस्यों में से ५ सदस्य बाहर चले गये और उनके शर्मनाक आचरण के विरोध में कार्यवाही का बहिष्कार किया। यह स्पष्ट नहीं है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस मामले में कोई संवैधानिक कार्यवाही शुरू करेंगे या नहीं, क्योंकि इसमें कई लोगों की हिस्सेदारी है। लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा उन्हें दंडित करने और सदन से बाहर निकालने के लिए अपनी पूरी ताकत लगायेगी। भाजपा का तंत्र किसी को भी अडानी और मोदी के खिलाफ बोलने को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

लोकसभा की वेबसाइट का लागइन आईडी और पासवर्ड शेयर करने के मामले में मोइत्रा ने अपने पत्र में लिखा- न्हें शेयर नहीं करने के नियम सांसदों को कभी क्यों नहीं बताये गये और यदि थे तो हर एक सांसद इस आईडी और लागिन को कई लोगों के साथ क्यों साझा कर रहा है? उसने लिखा कि मैंने रिकार्ड पर बार-बार विरोध किया कि अध्यक्ष एक औरत के रूप में मेरी गरिमा पर दाग लगाने वाले व्यक्तिगत प्रश्न नहीं पूछ सकते हैं। मोइत्रा ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है - लोकसभा आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर ने उन्हें वकील जय अनंत देहाद्राई और व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी द्वारा उनके खिलाफ लगाये गये श्कैश-फ र-क्वेरीश आरोपों में जिरह करने की अनुमति क्यों नहीं दी। उन्होंने सोनकर को पहले ही बताया था-शिकायतकर्ता देहाद्राई ने अपनी लिखित शिकायत में अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई दस्तावेजी सबूत नहीं दिया है, और न ही वह अपनी मौखिक सुनवाई में कोई सबूत दे सका है। प्रोंतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, मैं देहाद्राई से जिरह करने के अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहती हूं।

मोइत्रा ने कहा, यह एक एथिक्स कमेटी है जो स्क्रिप्ट पढ़ रही है और हर तरह के गंदे सवाल पूछ रही है। बसपा सदस्य दानिश अली ने कहा, हम ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे क्योंकि वे अनैतिक सवाल पूछ रहे हैं। द्रौपदी का चीरहरण कर रहे हैं। १४ सदस्यीय नैतिक पैनल का हिस्सा बनने वाले कम से कम तीन विपक्षी सांसद, कांग्रेस के एन उत्तम कुमार रेड्डी, बसपा के दानिश अली और राजद के गिरिधारीलाल यादव, समिति पर एक महिला सांसद से अनैतिक व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए बैठक से बाहर चले गये। रेड्डी ने आरोप लगाया, श्उनके सवाल पूर्वाग्रहपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और अशोभनीय थे। हम दिन की शुरुआत से ही उसे यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि वह इस तरह की पूछताछ न करे, लेकिन उसने हमारी बात नहीं सुनी।

जाहिर है कि भाजपा जो चाहती थी उसका सख्ती से पालन किया गया है। इस धारणा को बल मिलता है कि इन अपवित्र घटनाओं के ठीक बाद, दुबे ने अपनी टिप्पणी दी कि मोइत्रा को जाना होगा। उसे कोई नहीं रोक सकता। इस बीच, प्रदर्शनकारी सांसदों ने यह जानने की कोशिश की है कि एक शिकायतकर्ता, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की एक गोपनीय रिपोर्ट को कैसे हासिल करने में कामयाब रहे, जिसमें कहा गया था कि मोइत्रा के संसदीय लागिन को दुबई से ४७ बार एक्सेस किया गया था और यहां तक कि इसे डाला भी गया था। यह सार्वजनिक डोमेन में तब आया जब वह रिपोर्ट केवल एक दिन बाद समिति के सदस्यों को उपलब्ध कराई गई थी।

नेपाल के रास्ते तस्करी कर लाया जा रहा चीन का अदरक, अफसर अंजान

गोरखपुर। मंडी के अदरक व्यापारी के अनुसार, भारतीय व चीनी अदरक में कई अंतर हैं। भारतीय अदरक बड़े होते हैं, जबकि चीनी अदरक छोटे। इनके रंग में भी थोड़ा बहुत अंतर होता है। दोनों अदरक के स्वाद में भी अंतर है। जिसे ज्यादातर लोग भांप नहीं पाते। टमाटर के बाद अब नेपाल से अदरक की तस्करी शुरू हो गई है। यह अदरक नेपाल में उत्पादित नहीं, बल्कि चीन की है। भारत सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन तस्कर इसे नेपाल के रास्ते भारतीय मंडियों में पहुंचा रहे हैं। गोरखपुर के महेवा मंडी में इसकी खुलेआम बिक्री हो रही है, लेकिन अफसर अंजान हैं। लोग भी इसे हाथोंहाथ ले रहे हैं क्योंकि यह भारतीय अदरक से २० से ४० रुपये प्रति किलो सस्ती पड़ रही है।

दो महीने पहले टमाटर के दाम आसमान छू रहे थे, जिसका फायदा उठाते हुए तस्करों ने नेपाल से इसकी तस्करी शुरू कर दी थी। भारत में प्रतिबंधित नेपाली टमाटर की तस्करी के मामले में कई जगह कार्रवाई भी हुई। सख्ती बढ़ने के बाद नेपाली टमाटर की तस्करी पर रोक लग गई थी। लेकिन अब अदरक ने टमाटर की जगह ले ली है।

महेवा मंडी में कई दुकानों पर नेपाल से तस्करी कर लाई गई अदरक बिकती मिली। इसकी कीमत बंगलूरू से आने वाली अदरक की तुलना में २० से ४० रुपये प्रति किलो कम है। बंगलूरू की अदरक जहां थोक मंडी में ८० से १०० रुपये किलो के बीच बिक रही थी, तो वहीं चीन के अदरक की कीमत ६० से ८० रुपये किलो थी।

जानकारों के मुताबिक, हर दिन नेपाल के रास्ते महेवा मंडी में एक से दो गाड़ी चीनी अदरक पहुंच रही है। इन गाड़ियों में २० से ४० क्विंटल प्रतिबंधित चीनी अदरक रहती है। मंडी में आने के बाद इनकी बिक्री शुरू हो जाती है। लेकिन, मंडी के जिम्मेदारों को इसकी खबर तक नहीं है।

भारतीय और चीन के अदरक में है अंतर

मंडी के अदरक व्यापारी के अनुसार, भारतीय व चीनी अदरक में कई अंतर हैं। भारतीय अदरक बड़े होते हैं, जबकि चीनी अदरक छोटे। इनके रंग में भी थोड़ा बहुत अंतर होता है। दोनों अदरक के स्वाद में भी अंतर है। जिसे ज्यादातर लोग भांप नहीं पाते। भारतीय अदरक चीनी अदरक की तुलना में ज्यादा कड़क होती है। मंडी सचिव रजित राम वर्मा ने कहा कि मंडी में नेपाल से लाकर अदरक बेचने की जानकारी नहीं है। इंस्पेक्टर को भेजकर बृहस्पतिवार को जांच कराएंगे।

वायु प्रदूषण पर अफसर हुए गंभीर, अब बदलेगी थोड़ी तस्वीर

गोरखपुर। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि शहर में वायु प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई के संबंध में सभी विभागों को पत्र भेजा गया है। शासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन कराया जाएगा। कोर्ट की सख्ती पर दिल्ली सरकार ने प्रदूषण पर कड़े फैसले लिए और इधर बीते कई दिनों से शहर पर छाई धुंध की चादर को लेकर बेपरवाही बरत रहे अफसरों की निद्रा भी आखिरकार टूट गई। वायु प्रदूषण को लेकर सजग करती खबरों का लगातार प्रकाशन किया तो अफसर हरकत में आए। परिणाम यह रहा कि निर्माण कार्य वाले कई स्थानों पर बुधवार को पानी का छिड़काव किया गया ताकि उड़ रही धूल, धुंध को और गहरी न करे। कई जगहों पर बचाव के लिए हरे रंग की टाट-पट्टी भी लगा दी गई है। इससे हालात थोड़े काबू होने के लायक बने हैं।

अधिकारियों का कहना है कि वायु प्रदूषण कम करने के लिए सभी उपाय अपनाए जा रहे हैं। बुधवार को बीते पांच दिनों की अपेक्षा शहर में एक्यूआई १६३ दर्ज की गई। यह भी थोड़ी राहत वाली खबर है।शहर में जगह-जगह निर्माण कार्य चल रहे हैं। इनमें पैडलेगंज से नौसड़ तक सिक्सलेन रोड बन रहा है। टीपीनगर से देवरिया बाईपास तक सिक्सलेन फ्लाईओवर, देवरिया बाईपास से जंगल सिकरी तक देवरिया बाईपास रोड, तारामंडल क्षेत्र में नया सवेरा से लेकर देवरिया बाईपास रोड और फोरलेन, पैडलेगंज से लेकर फिराक गोरखपुरी चौराहे तक फोरलेन, कौआबाग जेल बाईपास से लेकर बरगदवां तिराहे तक फोरलेन सहित अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं। इन जगहों पर उड़ने वाली धूल की वजह से लोगों को राह चलने में मुश्किल आ रही थी। उधर शहर में हवा की गुणवत्ता भी खराब होने लगी। इस संबंध में अमर उजाला ने बीते कई दिनों से लगातार खबरें प्रकाशित कीं। इसको संज्ञान में लेते हुए कार्यदायी संस्थाओं की ओर से धूल को नियंत्रित करने के उपाय किए गए।

बुधवार की दोपहर १२.१६ बजे सिक्सलेन रोड पर देवरिया बाईपास के पास मिट्टी पर गिट्टी बिछाई गई। यहां वाहनों के गुजरने पर धूल न उड़े, इसलिए पानी का छिड़काव कराया गया था। इससे वाहनों के आने-जाने के दौरान बेहद ही कम धूल उड़ रही थी। यहां तैनात यातायात पुलिसकर्मियों ने बताया कि पहले तिराहे पर खड़ा होना मुश्किल था। लेकिन अब काफी राहत मिली है।

इसके अलावा तारामंडल क्षेत्र में बन रहे फोरलेन के किनारे हरे रंग की टाट-पट्टी लगाई गई है। यहां कार्यदायी संस्था की ओर से पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं को इस संबंध में चेतावनी दी गई है। यदि लापरवाही मिली तो कार्रवाई होगी।

बेहतर हुआ वायु गुणवत्ता सूचकांक

बुधवार को शहर में वायु गुणवत्ता का सूचकांक (एक्यूआई) १६३ पर रहा, जो कि मध्यम स्तर का रहा। जबकि इसके पूर्व मंगलवार को एक्यूआई २२४, सोमवार को २०३ और रविवार को २७६ दर्ज किया गया था, जिसे खराब स्तर का माना जाता है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि गोरखपुर शहर में वायु प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई के संबंध में सभी विभागों को पत्र भेजा गया है। शासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन कराया जाएगा।

घर में घुसकर युवती से छेड़खानी

गोरखपुर। गोरखपुर में एम्स इलाके के एक मोहल्ले में मंगलवार को घर में घुसकर छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोपी अंकित ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक युवती के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में लिखा है कि अंकित उनकी बेटी को पिछले चार साल से परेशान करता है। स्कूल जाते समय यह रास्ता रोकता है और डराता-धमकाता है। बेटी के साथ छेड़खानी करता है। बेटी ने इसकी जानकारी घर पर दी तो आरोपी के घर पर शिकायत की गई। आरोपी के पिता से शिकायत करने पर समझाने की जगह वह जान से मारने की धमकी देने लगे। दो नवंबर को शिकायत करने पर आरोपी के घरवालों ने फिर धमकी दी। युवती के पिता ने बताया कि छह नवंबर को अंकित नशे के हालत में घर में घुस गया और बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा। मना करने पर मुझे भी जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भारत-नेपाल सीमा-आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस कैमरे करेंगे अपराधियों की पहचान, एसपी को जारी किया निर्देश

अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त सीसीटीवी कैमरे व आटोमेटिक नंबर प्लेट देखने वाले एनपीआर युक्त कैमरे लगेंगे। जिससे बार्डर क्षेत्र से बार-बार आने-जाने वाले लोगों को चिह्नित किया जा सकेगा। साथ ही चोरी के वाहनों को आसानी से चिह्नित किया जा सकेगा।

गोरखपुर। एडीजी अखिल कुमार के निर्देश पर आपरेशन कवच के तहत ये कैमरे लगवाए जाएंगे। कवच के पहले चरण में सामान्य सीसीटीवी कैमरे लगे थे। अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त सीसीटीवी कैमरे व आटोमेटिक नंबर प्लेट देखने वाले एनपीआर युक्त कैमरे लगेंगे। भारत-नेपाल बार्डर क्षेत्र में नेपाल जाने वाले रास्तों पर अब विशेष प्रकार के सीसीटीवी (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) कैमरे लगवाए जाएंगे। जिससे भारत छोड़कर नेपाल भागने वाले अपराधियों व माफियाओं को चिह्नित कर पकड़ने में पुलिस को आसानी होगी। एडीजी अखिल कुमार के निर्देश पर आपरेशन कवच के तहत ये कैमरे लगवाए जाएंगे। कवच के पहले चरण में सामान्य सीसीटीवी कैमरे लगे थे। अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त सीसीटीवी कैमरे व आटोमेटिक नंबर प्लेट देखने वाले एनपीआर युक्त कैमरे लगेंगे। जिससे बार्डर क्षेत्र से बार-बार आने-जाने वाले लोगों को चिह्नित किया जा सकेगा। साथ ही चोरी के वाहनों को आसानी से चिह्नित किया जा सकेगा। सीमा पार जाने वाले वांछित अपराधी भी चिह्नित हो सकेंगे। एडीजी ने इसके लिए सीमावर्ती सभी पुलिस कप्तानों को निर्देश जारी कर दिया है। दरअसल, बड़ी संख्या में चोरी के वाहन नेपाल जाते है। वहीं अपराधी घटना को अंजाम देकर नेपाल चले जाते है। जिसके बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

जंगल कौड़िया-जगदीशपुर रिंग रोड किसानों के खाते में भेजे दस करोड़ तो बनने लगी सड़क, बदल रहा है गोरखपुर

गोरखपुर। गोरखपुर में किसानों की मांग को प्रमुखता से उठाया। इसकी जानकारी एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को दी। मंगलवार को किसानों के पक्ष में करीब १० करोड़ रुपये का मुआवजा का भुगतान किया गया। जंगल कौड़िया-जगदीशपुर फोरलेन रिंग रोड का काम फिर से रफ्तार पकड़ने लगा है। एक ओर किसानों की अधिग्रहित जमीन के मुआवजे का भुगतान किया जा रहा है, तो दूसरी ओर निर्माण कार्य भी चल रहा है। सोमवार को मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने बैजनाथपुर में काम रोक दिया था। इसके बाद अधिकारियों ने १० करोड़ का भुगतान कराया, तब जाकर काम फिर से शुरू हो गया। मंगलवार को सात सौ मीटर सड़क का काम कराया गया। अब तक कुल १०६ करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में किसानों के खाते में भेजे जा चुके हैं।

जंगल कौड़िया से जगदीशपुर तक करीब २६ किमी फोरलेन रिंग रोड के लिए कुल २६ गांवों के किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई है। सर्किल रेट के बजाय बाजार भाव की दर से किसान मुआवजा मांग रहे हैं। इसके लिए किसानों ने न्यायायिक मध्यस्थता आर्बिट्रेशन दाखिल की है। बरसात के पहले करीब १३०० मीटर लंबाई में मिट्टी समतल कराई गई थी। बरसात में काम ठप हो गया।

बीते शुक्रवार से दोबारा काम शुरू हुआ। रविवार को दो किमी लंबाई में काम हुआ। सोमवार को ठेकेदार के कर्मचारियों और श्रमिकों ने बैजनाथपुर में काम शुरू कराया तो किसानों ने विरोध जताया। किसानों ने कहा कि दो माह पूर्व सभी दस्तावेज जमा करा दिए गए, लेकिन अभी तक न तो मुआवजा मिला और न ही आर्बिट्रेशन (न्यायिक मध्यस्थता) की प्रक्रिया पूरी की गई है। उनके विरोध पर काम ठप हो गया।

किसानों की मांग को प्रमुखता से उठाया। इसकी जानकारी एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को दी। मंगलवार को किसानों के पक्ष में करीब १० करोड़ रुपये का मुआवजा का भुगतान किया गया।

एसएलओ को मिल चुके हैं 352.78 करोड़ रुपये

जंगल कौड़िया-जगदीशपुर रिंग रोड से प्रभावित २६ गांवों के एक हजार से अधिक किसानों को मुआवजा देने के लिए प्रशासन ने ३६२ करोड़ रुपये की मांग एनएचएआई से की थी। निर्माण कार्य के लिए कुल ६८४ गाटे में १३० हेक्टेयर जमीन ली गई है। इसकी एवज में कुल ३५२.७८ करोड़ रुपये का भुगतान एसएलओ (विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी) को किया जा चुका है। इसमें से किसानों के पक्ष में १०६.४४ करोड़ भेजे गए हैं। करीब १६२५ करोड़ की लागत से रिंग रोड का निर्माण कार्य होगा। एनएचएआई भूमि अधिग्रहण अधिकारी चंद्रशेखर ने कहा कि किसानों के लिए जितनी रकम मांगी गई थी, उसका भुगतान करा दिया गया है। एसएलओ की ओर से सभी किसानों को भुगतान किया जाना है। मंगलवार को भी १० करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में भेजे गए हैं।

90 लाख का इंश्योरेंस... कार में भिखारी को जिंदा जलाकर मारा हादसे में खुद को मरा दिखाया, 17 साल बाद खुलासा

90 लाख का इंश्योरेंस लेने के लिए शातिर प्लान

आगरा। आगरा से सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने ६० लाख का इंश्योरेंस लेने के लिए एक भिखारी की हत्या की। इसके उसे कार में जला दिया। घटना में खुद को मरा दिखा दिया। १७ साल पुलिस ने ३६ साल के व्यक्ति को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया। आगरा के रकाबगंज इलाके में १७ साल पहले खंभे से टकराकर कार में आग लगने से मौत की घटना हादसा नहीं थी। दनकौर के अनिल मलिक ने ६० लाख की बीमा प लिसी की राशि हड़पने के लिए साजिश के तहत भिखारी की हत्या की थी। घटना में आरोपी के परिवार के लोग भी शामिल थे।

हत्याकांड के बाद वह आराम से गुजरात के अहमदाबाद में नाम बदलकर रह रहा था। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने गोपनीय सूचना पर कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया। अब दनकौर और आगरा से सुराग तलाशे जा रहे हैं। मामला ३१ जुलाई २००६ का है। थाना रकाबगंज क्षेत्र में सड़क हादसे का केस दर्ज हुआ था। एक कार खंभे से टकरा गई थी, जिसमें आग लग गई थी। इसमें चालक सीट पर एक लाश मिली थी। चालक की पहचान गौतम बुद्ध नगर के पारसौल गांव निवासी अनिल मलिक (३६) के रूप में की गई थी। पिता ने शव को पहचाना था।

अहमदाबाद पुलिस के मुताबिक, गोपनीय सूचना मिली थी कि अनिल मलिक जिंदा है। वह नाम राजकुमार चौधरी रखकर निकौल क्षेत्र में रह रहा है। अपराध शाखा के अधिकारियों ने छानबीन के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने बीमा प लिसी का लाभ लेने के लिए परिजन के साथ मिलकर साजिश रची थी।

किया बेहोश, फिर खंभे से टकरा दी कार

अनिल ने पुलिस को बताया कि वर्ष २००४ में बीमा पॉलिसी ली थी। बाद में कार खरीदी। वर्ष २००६ में आगरा आए और ट्रेन में भीख मांगने वाले व्यक्ति को खाना खिलाने के बहाने अपने साथ होटल में ले गए। भोजन में नशे का पदार्थ मिला दिया। भिखारी के बेहोश होने पर उसे कार में बैठा दिया। इसके बाद कार को खंभे से टकरा दिया। कार में आग लगा दी।

नाम बदला, लाइसेंस–आधार कार्ड बनवाए

शव की पहचान अनिल के पिता विजय पाल सिंह ने बेटे के रूप में की थी। अपने पैतृक गांव में अंतिम संस्कार भी कर दिया। ६० लाख रुपये के बीमे का दावा कर उसे प्राप्त भी कर लिया। अपना हिस्सा लेने के बाद अनिल अहमदाबाद में रह रहा था। वह पैतृक गांव नहीं जाता था। उसने बदले हुए नाम से ही चालक लाइसेंस और आधार कार्ड भी बनवाया। उसने आटो रिक्शा और कार भी खरीद ली। घटना में अनिल के पिता, भाई और दोस्त के भी शामिल होने का शक है।

कालेज से भी मिल गया रिकार्ड

शुक्रवार को दनकौर पहुंची अहमदाबाद पुलिस ने बताया कि अनिल मलिक के पिता विजयपाल सिंह और भाई गाजियाबाद में रहते हैं। कुछ दिन से अनिल भाइयों और दोस्तों के संपर्क में था। पुलिस अनिल को लेकर पारसौल के इंटर कालेज में पहुंची। अनिल ने ८वीं तक की पढ़ाई पारसौल के किसान इंटर कालेज में की थी। रिकार्ड में उसका नाम अनिल मलिक ही पाया गया। पुलिस अब अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। इंटर क लेज में रिक र्ड की पुष्टि करने और आवश्यक प्रमाण पत्र ले जाने के बाद अहमदाबाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई। पुलिस का कहना है कि आवश्यक रिक र्ड उपलब्ध करने के बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

आखिर कौन था, जिसकी कर दी हत्या ?

रकाबगंज क्षेत्र में जिस घटना को हत्या कर हादसा दर्शाया गया, उसमें मरने वाला कौन था? यह आज तक पता नहीं चल सका है। जब आरोपी अनिल के पिता ने मृतक को अपने बेटे होने का दावा किया तो मृतक के किसी और के होने का कोई शक ही नहीं रह गया। मरने वाला व्यक्ति भिखारी था, इसलिए उसकी भी शिकायत की गई, या नहीं यह भी अहमदाबाद पुलिस पता कर रही है। एक टीम आगरा भी आ सकती है। हादसे का केस थाना रकाबगंज में दर्ज हुआ था।

यूपी के बाजारों में हुई पैसों की बारिश

17000 करोड़ का हुआ कारोबार नहीं दिखा महंगाई का असर

4,100 कारें शोरूमों से निकलीं। लगभग 3,200 करोड़ रुपये की बिक्री अकेले कार बाजार में हुई

लखनऊ। त्योहारी सीजन में लगभग ४,१०० कारें शोरूमों से निकलीं। लगभग ३,२०० करोड़ रुपये की बिक्री अकेले कार बाजार में हुई। इसमें बड़ी संख्या में कारों की डिलीवरी छोटी और बड़ी दिवाली में भी की जाएगी। धनतेरस पर प्रदेश के बाजारों में ग्राहकों के उमड़े सैलाब ने कारोबारियों का चेहरा चमका दिया। कार, दोपहिया, रीयल इस्टेट, सराफा और इलेक्ट्र निक्स सेक्टर में खरीदारी के रिकार्ड टूटे। पिछले साल की तुलना में औसतन २२ फीसदी की तेजी बाजारों में देखी गई। कोरोना का असर पूरी तरह खत्म हो गया और बाजार पटरी पर लौटता दिखा। धनतेरस पर इन पांच सेक्टरों पर लक्ष्मी जमकर मेहरबान हुईं और करीब १७ हजार करोड़ रुपये की धनवर्षा इन पांच सेक्टरों पर कर दी।

आटो सेक्टर पर सेमी कंडकटर की कमी का साया छंट गया है। कोरोना के बाद सेमी कंडक्टरों की कमी के कारण बुकिंग के बावजूद डिलीवरी न दे पाने से मायूस आटो डीलरों के लिए यह दिवाली खुशियां लेकर आई। ओ डीलर्स एसोसिएशनों के मुताबिक लगभग सभी माडल मांग की तुलना में उपलब्ध हैं। इसका असर बाजार में साफ दिखाई दिया। त्योहारी सीजन में लगभग ४,१०० कारें शोरूमों से निकलीं। लगभग ३,२०० करोड़ रुपये की बिक्री अकेले कार बाजार में हुई। इसमें बड़ी संख्या में कारों की डिलीवरी छोटी और बड़ी दिवाली में भी की जाएगी।

दो पहिया वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों ने सहालग जैसा माहौल पैदा कर दिया। इन दस दिनों में लगभग ६,००० ई वाहन बिके जबकि डीजल वाहनों की करीब ८,००० रही। धनतेरस पर लगभग ७२,००० दोपहिया वाहन सड़कों पर उतरे। इनमें से करीब १८ हजार वाहनों की डिलीवरी अगले दो दिनों में होगी। वाहनों की बिक्री के मामले में पहले नंबर पर लखनऊ और दूसरे नंबर पर कानपुर रहा। कुल ७२० करोड़ रुपये के दोपहिया वाहन बिके। केवल नवंबर के दस दिनों में पूरे प्रदेश में बिके वाहनों की बात करें तो इस अवधि में लगभग एक लाख वाहन सभी श्रेणियों के बिके।

सराफा बाजार में नहीं दिखा सोने की महंगाई का असर

सराफा बाजार में सोने की महंगाई का कोई असर नहीं दिखाई दिया। अ ल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन और प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मुताबिक प्रदेश में लगभग ५,२०० करोड़ की सोना-चांदी-हीरे की बिक्री की गई। इसमें ४,५०० करोड़ का सोना व हीरा और ७०० करोड़ की चांदी खरीदी गई। सोने में बुलियन की मात्रा पिछले साल से १५ फीसदी ज्यादा होकर १,२०० करोड़ हो गई। सहालगों से नजदीकी और आफरों का फायदा ग्राहकों ने भी उठाया। पिछले वर्ष दस ग्राम सोने के दाम ५२,००० रुपये थे जबकि इस बार यह ६२,००० हो गए। चांदी पिछली दिवाली ५८,००० रुपये किलो बिकी थी और इस बार ७२,००० रुपये में है।

रीयल एस्टेट के लिए शुभ साबित हुई दीपावली

रीयल एस्टेट के लिए भी दिवाली काफी शुभ साबित हुई। मंदी से उबरते हुए लगभग ६,५०० करोड़ का निवेश ग्राहकों ने अपने आशियाने पर किया। इसमें आधी रकम बुकिंग में लगाई गई। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद के अलावा अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज व मेरठ भी रीयल एस्टेट में तेजी से उठे। मोबाइल फोन, एलईडी टीवी, माइक्रोवेव, वाशिंग मशीन और सेंसरयुक्त फ्रिज ने भी पिछली दिवाली की तुलना में ३० फीसदी ज्यादा ग्राहक खींचे। केवल एक दिन में १,६०० करोड़ रुपये के उत्पाद बेचे गए।

22 जनवरी का देशवासियों को इंतजार राम मंदिर का होगा अभिषेक समारोह

22 जनवरी का देशवासियों को इंतजार, राम मंदिर का होगा अभिषेक समारोह RSS *करेंगे देशव्यापी घर–घर अभियान*

नई दिल्ली। २२ जनवरी का हर किसी को बेहद इंतजार है, क्योंकि इस दिन अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक समारोह आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर सभी के मन में उत्साह और खुशी का माहौल है। अभिषेक समारोह से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा है कि यह समारोह हर किसी के लिए खुशी का एक बड़ा क्षणश होगा। आरएसएस ने लोगों से इस दिन को त्योहार के रूप में मनाने का आह्वान किया है। इस हफ्ते की शुरुआत में गुजरात के कच्छ जिले के भुज में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की तीन दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान RSS ने मंदिर के उद्घाटन और देश भर में इससे जुड़े कार्यक्रमों पर चर्चा की।

1 से 15 जनवरी तक होगा अभियान

अभिषेक समारोह से पहले, आरएसएस कार्यकर्ता भव्य उद्घाटन के लिए लोगों को निमंत्रण देने के लिए १ से १५ जनवरी के बीच देशव्यापी घर-घर अभियान शुरू करेंगे। महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने मंगलवार को समापन के बाद संवाददाताओं को इसकी जानकारी दी। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, श्अयोध्या में हमारे पूज्य भगवान श्री राम का एक भव्य मंदिर बनाया जा रहा है और मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह २२ जनवरी को होने वाला है। यह विदेश में रहने वाले लोगों सहित हम सभी के लिए खुशी का एक बड़ा क्षण होगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्षों के प्रयासों से, हमारे भगवान श्री राम का एक भव्य मंदिर अयोध्या में बनाया जा रहा है। देश भर के लोग अपने-अपने इलाकों में निकटतम मंदिरों में जाकर इस उत्सव में भाग लेंगे।

अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा है कि यह समारोह हर किसी के लिए खुशी का एक बड़ा क्षण होगा। आरएसएस ने लोगों से इस दिन को त्योहार के रूप में मनाने का आह्वान किया है। बता दें कि आरएसएस कार्यकर्ता भव्य उद्घाटन के लिए लोगों को निमंत्रण देने के लिए 1 से 15 जनवरी के बीच देशव्यापी घर–घर अभियान शुरू करेंगे।

अयह एक त्योहार का अवसर होगा

अंबेकर ने आगे कहा कि यह एक त्योहार का अवसर होगा। हर कोई अयोध्या नहीं जाएगा। लोग अपने नजदीकी मंदिरों में जाकर इस त्योहार को मनाएंगे। रात के समय सभी को अपने घरों पर दीये जलाना चाहिए। ऐसी अपील आरएसएस की ओर से की गई है।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि भगवान राम गरिमा, प्रेम और धर्म के प्रतीक हैं और लोगों से प्रतिष्ठा समारोह को एक त्योहार के रूप में मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए खुशी का एक बड़ा क्षण होगा। यह सद्भाव का क्षण होगा और, मुझे लगता है कि मंदिर में मूर्ति की प्रतिष्ठा के साथ, भारत अपनी प्रगति जारी रखेगा। प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश भर से हजारों साधु-संतों को आमंत्रित किया गया है।

शादी के बाद नशीला खाना खिलाकर भाग गई थी लुटेरी दुल्हन

गैंग के सात सदस्य फरार, लोगों को ऐसे ठगते थे

चोरनी दुल्हन गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार नौ माह पहले घिरोर के गांव रामगंज में दुल्हन ने उड़ाई थे जेवर–नकदी

मैनपुरी पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार किए हैं। शादी के तीन दिन बाद स्वजन को नशीला भोजन खिलाकर गायब हुई थी दुल्हन। हालांकि दुल्हन रेनू का अभी तक पता नहीं लगा है। गैंग के लोग गरीब लड़की की शादी के नाम पर लोगों से रुपये लेकर ठगी करते थे। पुलिस दुल्हन का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

मैनपुरी। शादी करने के बाद स्वजन को नशीला खाना खिलाकर घर का माल चोरी कर गायब होने वाली दुल्हन के गिरोह के सात सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनमें पांच महिलाएं शामिल हैं। दुल्हन और उसके दो साथी अभी भी फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। आरोपित अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं।

गरीब लड़की के नाम पर की थी शादी

शहर कोतवाली के गांव धारऊ निवासी शिशुपाल सिंह कई साल से थाना घिरोर के गांव रामगंज में अपने जीजा नीतेश कुमार के साथ रह रहे हैं। जनवरी २०२३ में संदीप निवासी बेवर ने नीतेश से संपर्क किया और कहा कि यदि ८० हजार रुपये खर्च करो तो मैं तुम्हारे साले शिशुपाल का विवाह करा दूंगा। एक गरीब लड़की मेरी नजर में है। नीतेश ने संदीप को ८० हजार रुपये दे दिए। आठ फरवरी २०२३ को बेवर स्थित कपिल मुनि आश्रम में शिशुपाल का विवाह रेनू नाम की युवती से करा दिया गया। स्वजन रेनू की विदा कराकर अपने घर रामगंज ले गए। तीन दिन बाद रात को दुल्हन रेनू ने खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर पूरे परिवार को अचेत कर दिया और रख में रखी नकदी, जेवर लेकर गायब हो गई।

पुलिस कर रही थी तलाश

घटना की प्राथमिकी नीतेश ने संदीप के अलावा अरविंद व ऊषा देवी निवासीगण करीदी जरिया हमीरपुर, मोहम्मद आरिफ निवासी शास्त्री नगर बाटा बस्ती जयपुर, नजमा निवासी पांडेयपुर कैंट वाराणसी, सुशीला निवासी गांव करमा सोनभद्र, रानू बेगम निवासी रापरगंज थाना रायपुर सोनभद्र, बृजमोहन निवासी दिखतमई थाना बेवर मैनपुरी, जूली निवासी निवाजगंज चंदौली और दुल्हन रेनू के खिलाफ दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई थी।

शादी के नाम पर ठगी करता था गिरोह

एएसपी राजेश कुमार ने बताया कि गुरुवार शाम सूचना मिली कि शादी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह घिरोर क्षेत्र में किसी अन्य व्यक्ति को ठगी का शिकार बनाने आया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल नजमा बेगम, सुशीला, ऊषा देवी, रानू बेगम, जूली, संदीप और अरविंद को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दुल्हन रेनू का अब तक पता नहीं चल सका है। काफी पूछताछ के बाद भी पकड़े गए आरोपितों ने फरार दुल्हन के पते के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

देश में फिर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार, 3 नवंबर तक 4.67 बिलियन अमेरिकी डालर की हुई बढ़त

विदेशी मुद्रा भंडार 4.672 बिलियन अमेरिकी डालर बढ़ गया है।
सोने का कुल मूल्य 200 मिलियन अमेरिकी डालर बढ़ गया।
कल डालर के मुकाबले रुपया 1 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुई है।

इस महीने में 3 नवंबर 2023 तक विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार की जानकारी साप्ताहिक सांख्यिकीय अनुपूरक जारी किये हैं। साप्ताहिक साख्यिकीय के अनुसार 3 नवंबर 2023 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.67 बिलियन अमेरिकी डालर बढ़कर 590.78 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया।

लखनऊ। भारतीय रिजर्व बैंक ने ३ नवंबर २०२३ को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार ४.६७२ बिलियन अमेरिकी डालर बढ़कर ५६०.७८३ अमेरिकी डालर हो गया। केंद्रीय बैंक के अनुसार, विदेशी मुद्रा संपत्ति या भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, ४.३६२ बिलियन अमेरिकी डालर बढ़ गई।

सोने के भंडार में भी हुई बढ़त

सोने का कुल मूल्य २०० मिलियन अमेरिकी डालर बढ़कर ४६.१२३ बिलियन अमेरिकी डालर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि देश का आईएमएफ ६४ मिलियन अमेरिकी डालर बढ़कर १७.६७५ बिलियन अमेरिकी डालर हो गया, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ इसकी आरक्षित स्थिति १६ मिलियन अमेरिकी डालर बढ़कर ४.७८६ बिलियन अमेरिकी डालर हो गई।

सपाट बंद हुआ रुपया

विदेशों में कमजोर डालर और सकारात्मक शेयर बाजार के बीच शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले १ पैसे की मामूली बढ़त के साथ ८३.२८ पर बंद हुआ। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में, रुपया ८३.२८ पर खुला और इंट्रा-डे के दौरान ग्रीनबैक के मुकाबले ८३.४६ तक गिर गया। घरेलू मुद्रा भी ८३.२८ के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अंत में यह डालर के मुकाबले ८३.२८ पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से सिर्फ १ पैसे की बढ़त दर्शाता है।

पंचायत में माफी मांगकर पत्नी को लाया घर...

फिर 11वें दिन कर दिया मर्डर, कमरे का ताला बंद कर भागा कातिल पति

आगरा। ताजनगरी आगरा से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कमला नगर के इंद्रा एंक्लेव में युवक ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद कमरे का ताला बंद कर आरोपी पति भाग गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ११ दिन पहले पंचायत में माफी मांगकर पत्नी को घर लाया था। आगरा में पंचायत में माफी मांगकर घर लाने के ११वें दिन ही पति ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोप है कि बेरहमी से पीटने के बाद दुपट्टे से गला घोट दिया। इसके बाद कमरे में ताला लगाकर भाग निकला। शुक्रवार सुबह पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। यह इनकी दूसरी शादी थी। मामला कमला नगर स्थित इंद्रा एंक्लेव का है।

एसीपी हरीपर्वत मयंक तिवारी ने बताया कि नगला छिद्दा, हरीपर्वत निवासी चित्रा (३०) का पति से तलाक हो गया था। वह १० साल के बेटे के साथ रह रही थी। उधर, कमला नगर स्थित इंद्रा एंक्लेव निवासी हेमंत की पत्नी की प्रसव के दौरान मौत हो गई थी। हेमंत और चित्रा ने इसी साल मई में मंदिर में शादी कर ली। हेमंत जूता फैक्टरी में काम करता था। शादी के कुछ दिन बाद से ही दोनों में विवाद होने लगा। इससे १६ अक्तूबर को झगड़े के बाद चित्रा मायके चली गई। पुलिस अधिकारियों को प्रार्थनापत्र दिया। हेमंत ने परिवार के लोगों के साथ पंचायत में माफी मांगी, शपथ पत्र लिखकर दिया कि अब झगड़ा नहीं करेगा। वह चित्रा को ३० अक्तूबर को घर ले आया। शुक्रवार सुबह ६ बजे उसने रिश्तेदारों को फोन किया। बताया कि कमरे में

जाकर देख लो। चित्रा मरी पड़ी है। इस पर उसके पिता हरविलास ने पुलिस को सूचना दी। कमरे के गेट पर ताला लगा था।

पुलिस ने दरवाजा खोला तो बेड पर कंबल में लिपटा चित्रा का शव पड़ा था। उसके गले सहित शरीर पर चोटों के निशान थे। गले में दुपट्टा कसा था। पुलिस ने पूछताछ के लिए आरोपी के पिता को हिरासत में ले लिया।

छह लाख बिजली चोरों पर योगी सरकार ने लिया बड़ा फैसला, जुर्माने पर मिलेगी इतने फीसदी की छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बिजली चोरों को बड़ी राहत दी है। योगी सरकार ने जुर्माने में ६५ फीसदी की छूट देने का फैसला लिया है। ऊर्जा मंत्री ने बिल पर ब्याज और जुर्माने में छूट देने की योजना का शुभारंभ कर दिया है। ३० नवंबर तक इसका लाभ उठाया जा सकता है। राज्य सरकार ने बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों को सहूलियत दी है। उनके बिल पर ब्याज व जुर्माने में ६५ फीसदी की छूट दी जा रही है। ऐसे उपभोक्ता महज ३५ फीसदी जुर्माना भर कर कानूनी कार्रवाई से मुक्त हो सकते हैं।

हालांकि इस छूट का फायदा तभी मिलेगा, जब वह ३० नवंबर तक अपने क्षेत्रीय उपकेंद्र पर पंजीकरण कराकर ३५ फीसदी रकम का भुगतान कर देंगे। प्रदेश भर में करीब छह लाख उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बुधवार को लखनऊ के कैंट उपकेंद्र पर पावर क पोंरेशन की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का शुभारंभ किया। उन्होंने कैंट उपकेंद्र पर ब्याज माफी के लिए पहला पंजीकरण कराने वाली छावनी क्षेत्र निवासी मीरा को छूट का लाभ देकर बिजली बिल सौंपा। उन्होंने इंजीनियरों व कर्मचारियों से कहा कि जिन लोगों के घर व दुकान में बिजली चोरी पकड़ी गई और जुर्माना बाकी है, उन्हें योजना से अवगत कराते हुए छूट का फायदा पहुंचाएं।

कार्यक्रम में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक भवानी सिंह, खंगारौत, निदेशक वाणिज्य योगेश कुमार, मुख्य अभियंता सिस गोमती रजत जुनेजा, अधीक्षण अभियंता आरपी केन, अधिशासी अभियंता डीकेडी द्विवेदी, एसडीओ सौरभ चौधरी एवं जेई अशोक कुमार के साथ छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, भाजपा छावनी मंडल अध्यक्ष डा . रंजीता शर्मा, पूर्व पार्षद संजय दयाल आदि मौजूद रहीं।

वापस हो जाएगा तहसील की रिकवरी नोटिस

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जिन लोगों पर बिजली चोरी का जुर्माना काफी समय से बकाया है, उनसे वसूली की जिम्मेदारी तहसील को सौंपी गई है। जिन बकायेदारों के पास तहसील से रिकवरी नोटिस आया हो वे परेशान न हों। बिजली चोरी के जुर्माने में छूट पाने के लिए जैसे ही वे पंजीकरण कराएंगे तहसील की रिकवरी और पुलिस विभाग से भी अगर कोई नोटिस जारी हुआ होगा तो वह वापस हो जाएगा। बिजली चोरी के मामले में आवेदक को पंजीकरण के समय जुर्माने की १० फीसदी और बाद में २५ फीसदी रकम जमा करनी होगी।

45 हजार रुपये में बिजली चोरी से राम विशाल मुक्त

उतरेठिया उपकेंद्र इलाके में पिछले महीने बिजली चोरी में पकड़े गए राम विशाल का जुर्माना लगभग १.३० लाख रुपये तय हुआ। पावर क पोंरेशन की ओटीएस योजना के पहले दिन राम विशाल इस जुर्माने से ४५ हजार रुपये में बिजली चोरी के मामले से मुक्त हो गए। हालांकि वह बृहस्पतिवार को जुर्माने की रकम जमा करेंगे।

भूटान के साथ भारत को निभानी होगी बड़े पड़ोसी की भूमिका

दिल्ली। भारत और भूटान की नियति आपस में जुड़ी हुई है, जिसे बिना किसी परेशानी के आगे बढ़ाया जा सकता है। भले ही भारत सोचता है कि चीन नई दिल्ली एवं थिंपू के बीच दरार पैदा कर रहा है, लेकिन अब उसे देखना होगा कि थिंपू क्या चाहता है। भूटान की तरक्की में मदद करना भारत के हित में है। हिमालयी स्वर्ग माने जाने वाले भूटान की पहुंच दुनिया तक हो रही है और जैसा कि एक बड़े पड़ोसी के रूप में भारत को करना चाहिए, वह अपने छोटे एवं भूमि से घिरे पड़ोसी राष्ट्र की मदद कर रहा है। भूटान के पांचवें नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक की भारत यात्रा ने रिश्ते में तेजी से बदलते पैटर्न को रेखांकित किया है, जिसकी अनिवार्यता का राष्ट्रों के निजी हितों के साथ-साथ क्षेत्र की भू-राजनीति द्वारा निर्धारित साझा हितों की रक्षा करते हुए सम्मान करना चाहिए। उनकी यात्रा की समाप्ति के बाद भारत निश्चित रूप से इसका विश्लेषण करेगा कि भूटान नरेश और उनके दल ने तात्कालिक और दीर्घकालिक दृष्टि से भारत की चिंताओं का कितना ध्यान रखा। चूंकि चीन एक अपरिहार्य कारक है, इसलिए भारत को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर चाहते या न चाहते हुए भी भूटान के भू-राजनीतिक संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका को बदलकर उसके साथ साझेदारी का रिश्ता बनाना होगा।

इसमें भूटान को अपना साझेदार चुनने की इजाजत देना शामिल है और यह अब तक के करीबी और सौहार्दपूर्ण रिश्ते का सबसे जटिल पहलू है। भले ही भारत सोचता है कि चीन नई दिल्ली एवं थिंपू के बीच दरार पैदा कर रहा है, लेकिन अब उसे इस बात के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है कि थिंपू क्या चाहता है। इसने वर्षों तक दोनों देशों के बीच औपचारिक राजनयिक संबंधों को रोका है। पर दोकलाम सीमा पर सैन्य झड़प होने के बाद भी भारत उस भूटान को सीमा विवाद पर बीजिंग के साथ बैठक करने से नहीं रोक सका, जिसकी रक्षा में वह मदद करता है। भले ही भारत की चिंता बड़ी है, लेकिन भूटान-चीन सीमा विवाद ऐसा है, जिस पर भूटान को भी पूरा ध्यान देना चाहिए। मई, २०२३ में भूटान-चीन सीमा मुद्दे पर विशेषज्ञ समूह की १२वीं बैठक थिंपू में आयोजित की गई थी। उसके तुरंत बाद अगस्त में उसकी १३वीं बैठक बीजिंग में हुई। भूटान-चीन बैठक के हफ्ते भर बाद भूटान नरेश ने भारत का दौरा किया है।

इससे पहले, इसी वर्ष अप्रैल में भूटानी प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग ने एक इंटरव्यू दिया था, जिससे भारतीय मीडिया के एक वर्ग में विवाद पैदा हो गया था, जिसमें अटकलें लगाई जा रही थीं कि भूटानी प्रधानमंत्री क्यों भूटानी क्षेत्र पर चीन के कब्जे से इन्कार कर रहे हैं और क्या भूटान ने चीन के साथ कोई क्षेत्रीय समझौता किया है। यह स्पष्ट होने के बाद कि भूटान का इरादा कोई नीतिगत बदलाव करने का नहीं है, भूटान और भारत, दोनों ने इस मुद्दे को शांत करने की कोशिश की। भारत की इस धारणा के मद्देनजर कि चीन उसे पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में घेरने की कोशिश कर रहा है, चिंताएं बनी हुई हैं, जो सभवतः कभी भी सामने आ सकती हैं और सीमा पर दिख सकती हैं।

भूटानी शाही दंपति उच्च शिक्षित एवं स्पष्टवादी हैं। भूटान नरेश अनुभवी हैं और उन्होंने बांग्लादेश की शेख हसीना की तरह अपने देश में भारत के खिलाफ सक्रिय आतंकवादियों के शिविर को कई वर्ष पूर्व खत्म कर अपनी साख साबित की है। इसलिए बहुत ज्यादा रक्षात्मक हुए बिना भूटान के उदय में मदद करना भारत के हित में है, क्योंकि दक्षिण एशिया के लिए चीन का रुख प्रतिस्पर्धी है, न कि प्रशंसात्मक और चीन का उद्देश्य भारत को उसके पारंपरिक मैदान में मात देना है। भूटान चीन के साथ सीमा साझा करता है और चीनी प्रभाव एवं दबाव को लेकर ज्यादा संवेदनशील है। दशकों से भारत पर्यटन, व्यापार, कई तरह के निवेशध्अनुदान के साथ, जिसमें प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण एवं जानकारी शामिल है, भूटान का प्रमुख आर्थिक आधार बना हुआ है, जिसके चलते भूटान भारत को अधिशेष बिजली का निर्यात करता है।

भूटान पर्यावरण अनुकूल उद्योगों एवं वाणिज्यिक उद्यमों में भी निवेश करना चाहेगा, इसलिए भूटान नरेश ने पहली बार मुंबई की यात्रा की, जहां उन्होंने संभावित निवेशकों के साथ बातचीत की। वह भूटान की अर्थव्यवस्था से जुड़े मंत्रियों और अधिकारियों के साथ आए। भूटान के गलेफू में एक स्मार्ट सिटी शुरू होने वाला है, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत के रेल मार्ग से जुड़ेगा।

थिंपू भी आईटी युग में छलांग लगाना चाहता है और भारत इसमें उसकी सबसे बेहतर मदद कर सकता है। संयुक्त बयान में कहा गया कि साझेदारी के नए क्षेत्रों के संदर्भ में, जिसमें अब स्टार्ट-अप, अंतरिक्ष और एसटीईएम शिक्षा शामिल है, दोनों पक्षों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की प्रगति का स्वागत किया, जिसमें भारत और भूटान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित पहले उपग्रह का प्रक्षेपण और इस वर्ष थिंपू में उपग्रह के ग्राउंड अर्थ स्टेशन का उद्घाटन शामिल है। भूटान नरेश श्रमिक बन जाने या पलायन करने वाले अपने युवाओं को शिक्षित करना चाहते हैं। भूटान की ७,७०,००० की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा की जरूरत है। भारत ने असम के मेडिकल कालेजों में तीन सीटें आरक्षित करके अच्छा काम किया है। संयुक्त बयान में भूटान के भीतर और उसके भारतीय पड़ोस में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया है। भारत भूटान-बांग्लादेश सहयोग की सुविधा भी प्रदान कर रहा है, जो सबके लिए लाभप्रद है। बांग्लादेश भूटान के आयात-निर्यात के लिए समुद्री मार्ग उपलब्ध करा रहा है।

भारत-यूएस मंत्रिस्तरीय वार्ता में सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर होगा जोर

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार (१० नवंबर) को अपने अमेरिकी समकक्षों रक्षा मंत्री लायड आस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की मेजबानी करेंगे। भारत और अमेरिका के विदेश और रक्षा मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली में होगी। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को कहा कि इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली भारत-अमेरिका टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को प्रगाढ़ करने पर केंद्रित होगी। बता दें, रक्षा मंत्री राजनाथ और विदेश मंत्री जयशंकर १० नवंबर को नई दिल्ली में पांचवीं भारत-अमेरिका टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लायड आस्टिन का स्वागत करेंगे। विदेश विभाग के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत के साथ अमेरिका की मजबूत साझेदारी है। एंटनी ब्लिंकन रक्षा मंत्री लायड आस्टिन के साथ टू प्लस टू सुरक्षा वार्ता के लिए नई दिल्ली जा रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इस वार्ता से दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग और साझेदारी को गहरा किया जाएगा। इसके अलावा कई विषयों पर चर्चा होगा। पटेल ने एक सवाल के जवाब में

कहा कि इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान कुछ मुद्दे स्पष्ट रूप से उठाए गए थे। इसलिए दोनों अमेरिकी मंत्री दिल्ली में अपने समकक्षों के साथ इन विषयों पर सीधे बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

अमेरिका का रणनीतिक भागीदार बना रहेगा भारत...

वहीं, व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत अमेरिका के लिए अहम रणनीतिक भागीदार है और यह नई दिल्ली को तय करना है कि मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में किसी विशेष संकट या आकस्मिक स्थिति पर उनका रुख क्या होगा। व्हाइट हाउस के प्रमुख अधिकारी ज न किर्बी ने व शिंगन में मीडिया से बात करते हुए कहा, भारत हमारा एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान सभी ने इसे देखा था। किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम इसे भारत सरकार और प्रधानमंत्री पर छोड़ते हैं कि वे दुनिया भर में किसी भी विशेष संकट या घटनाक्रम पर उनका रुख क्या होगा, जिसमें मध्य पूर्व भी शामिल है। किर्बी ने कहा कि हम हर दिन भारत के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं।

क्षेत्रीय विषयों पर भी होगी चर्चा

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि टू प्लस टू वार्ता में रक्षा और सुरक्षा सहयोग के व्यापक पहलुओं, प्रौद्योगिकी सहयोग और व्यक्ति से व्यक्ति के बीच संबंधों में हो रही प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की जाएगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मंत्रियों के पास इस साल जून और सितंबर में अपनी चर्चाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से परिकल्पित भारत-अमेरिका साझेदारी के भविष्य के खाके को आगे बढ़ाने का अवसर होगा। दोनों पक्ष समसामयिक क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे और बहुपक्षीय मंचों और क्वाड जैसे ढांचे के माध्यम से सहयोग बढ़ाने के लिए साझा प्राथमिकताओं के बारे में विमर्श करेंगे।

अंधविश्वासः आधे घंटे रेत में दबाया...

जान बचाने के लिए इलाज ही आया काम, करंट से झुलस गया था मजदूर

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद में करंट से झुलसे मजदूर को आधे घंटे रेत में दबाए रखा। जब उसकी हालत बिगड़ी तो उसे अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। लिंटर डालने के लिए बिछाई जा रही सरिया हाईटेंशन लाइन से टकराने से मजदूर झुलस गया था। मुरादाबाद के कुंदरकी कस्बे के मोहल्ला ख्वाजा नगर में बुधवार को लिंटर डालने के लिए बिछाई जा रही सरिया हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट लगने से मजदूर झुलस गया। साथी मजदूर और आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाए रेत में दबा दिया। उसकी हालत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए। नगर के मोहल्ला ख्वाजा नगर में राजकीय कन्या इंटर कालेज के पीछे इदरीश अहमद के निर्माणाधीन मकान का लिंटर डालने से पहले सरिया का जाल बिछाया जा रहा था। लिंटर डालने के लिए एक राजमिस्त्री के अलावा तीन मजदूर काम कर रहे थे। इस बीच मजदूर मोहम्मद इकबाल (४०) निवासी कस्बा सैफनी जिला रामपुर ने सरिया ऊपर उठाया तो वह मकान के ऊपर से जा रही ३३ हजार की हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट की चपेट में आकर मजदूर झुलस गया। आसपास के लोगों ने अस्पताल ले जाने के बजाय करीब आधे घंटे तक मजदूर का मुंह छोड़कर रेत में दबा दिया, जिससे मजदूर की हालत और ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद मजदूर को इलाज के लिए पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ढाई साल में छात्रा समेत तीन की जा चुकी हैं जानें, कई झुलसे

मोहल्ला ख्वाजा नगर की घनी आबादी के ऊपर से एक ३३ केवी की और दो ११ केवी की विद्युत लाइनें निकल रही हैं। बीते ढाई साल में नगरीय क्षेत्र में हाईटेंशन लाइनों की चपेट में आने से छात्रा समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि डींगरपुर रोड पर एक छात्र की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से जान जा चुकी है। कुछ दिन पहले से नगर के मोहल्ला लाइनपार में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मदरसे की दो छात्राएं गंभीर रूप से झुलस गईं थीं, जिनमें से एक छात्रा को दिल्ली रेफर किया गया था। इसके अलावा कई विद्युत हादसे सामने आ चुके है, लेकिन विद्युत अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

झुलसे मजदूर को रेत में दबाना गलत

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डा . नवल किशोर का कहना है कि हाईव ल्टेज करंट से झुलसे मजदूर को रेत में दबाना उचित नहीं था। रेत में दबाने से रेत के कण शरीर पर चिपक जाते है, जिसकी वजह से शरीर में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। मजदूर को तत्काल ही सीएचसी में लाना चाहिए था। ऐसे मामलों में ईसीजी आदि जांचों के बाद ही इलाज शुरू किया जाता है।

47 की उम्र में शादी करने वाले हैं रणदीप हुड्डा

10 साल छोटी गर्लफ्रेंड से करेंगे सीक्रेट मैरिज

मुम्बई,एजेंसी। इंडस्ट्री में चर्चा है कि बालीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा जल्द ही अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड लिन लैशराम से शादी करने वाले हैं। दोनों इस महीने के अंत तक एक इंटीमेट सेरेमनी में शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

कपल के क्लोज मेंबर्स को है जानकारी

रिपोर्ट्स की मानें तो इस शादी में सिर्फ दोनों के फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स ही शामिल होंगे। यह शादी मुंबई में नहीं होगी। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि कपल के क्लोज मेंबर्स इस बारे में जानते हैं पर इस बारे में डिस्कस नहीं करना चाहते। दोनों प्राइवेट सेरेमनी में शादी करने के बाद इसे लेकर अनाउंसमेंट करेंगे।

सोशल मीडिया से मिली हिंट

४७ साल के रणदीप बीते काफी वक्त से ३७ साल की लिन को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने अभी तक इस बारे में खुलकर बात नहीं की है पर २०२१ में लिन के बर्थडे पर रणदीप ने इस बारे में हिंट दी थी। पिछले साल दोनों ने साथ में दिवाली भी सेलिब्रेट की थी। इसके बाद से दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ तस्वीरें शेयर करते हैं।

वीर सावरकर से डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे रणदीप

वर्कफ्रंट पर रणदीप की अगली फिल्म 'वीर सावरकर' है, जिसमें वो लीड रोल में नजर आएंगे। इसके जरिए रणदीप बतौर डायरेक्टर भी डेब्यू करने वाले हैं।वहीं लिन अब तक ओम शांति ओम, मैरी काम और रंगून जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वे हाल ही में रिलीज हुई करीना कपूर की डिजिटल डेब्यू फिल्म 'जाने जां' में भी नजर आई थीं।

फिल्में ना मिलने पर डिप्रेशन में थे संजीव कुमार

भतीजे उदय जरीवाला बोले- दादी ने गहने गिरवी रखकर एक्टिंग की पढ़ाई कराई थी

दिल्ली। १९७८ के आस-पास संजीव कुमार को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उनकी हार्ट सर्जरी हुई। इस घटना के बाद परिवार वाले उनकी सेहत को लेकर बहुत सतर्क रहने लगे। इस दौरान उनका वजन बहुत कम हो गया। हालांकि उम्मीद थी कि वो रिकवर कर लेंगे। इस घटना के बाद संजीव कुमार के कमरे में बेड के पास घंटी लगा दी गई थी। उनके कमरे में हर किसी को जाने की इजाजत नहीं थी। जब वो घंटी बजाते थे, तभी हाउस हेल्पर अंदर जा सकते थे। ड्राइवर शर्मा जी, कुक राम जी, नौकरानी रुकमनी और मैनेजर जमनादास जी, ये वो भरोसेमंद लोग थे, जो हर वक्त उनकी देखभाल के लिए घर पर मौजूद रहते थे। हार्ट की सर्जरी के बाद संजीव कुमार वक्त के साथ रिकवर कर गए थे। उनकी सेहत में बहुत सुधार हो गया था। फिल्मों की शूटिंग में भी जाने लगे थे। इस तरह ५ साल बीत गए।

५ नवंबर १९८५ को वो जुहू में फिल्म कत्ल की शूटिंग कर रहे थे। शाम ५ बजे शूटिंग खत्म कर उन्होंने कुछ डबिंग का काम किया। फिर एक पार्टी में गए, जहां उन्हें शामिल होना जरूरी था। अपना सारा काम खत्म करने के बाद वो प्रोड्यूसर नारी शिप्पी की बेटी शबनम के घर पाया खाने चले गए। घर पर उन्होंने शबनम और उनके पति के साथ डिनर किया, खूब ढेर सारी बातें भी कीं। भोर ४ बजे तक सब एक साथ बैठे रहे, फिर वो अपने घर वापस चले आए। हाउस हेल्पर को ये बात पता थी कि अगर वो इतनी देर आए हैं, तो सुबह १०:३० से पहले नहीं उठेंगे।

अजय देवगन की को-स्टार रहीं अमाला ने की दूसरी शादी

बायफ्रेंड ने दिया था मैरिज प्रपोजल 10 दिन बाद ही कर ली सीक्रेट मैरिज

अजय देवगन की फिल्म 'भोला' में डॉक्टर स्वरा का किरदार निभाने वाली साउथ एक्ट्रेस अमाला पाल ने दूसरी शादी कर ली है। अमाला ने अपने बिजनेसमैन बायफ्रेंड जगत देसाई को अपना लाइफ पार्टनर बनाया है। जगत गोवा के एक लग्जरी होम स्टे के सेल्स हैड हैं।

मौनी राय ने डांसर की बायोपिक करने की जताई इच्छा

बोली, क्लासिकल डांस का बहुत शौक है किसी डांस ड्रामा का हिस्सा बनना चाहूंगी

मुम्बई,एजेंसी। इन दिनों मौनी राय डेटिंग बेस्ड रियलिटी शो टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में बतौर क्वीन आफ हार्ट्स नजर आ रही हैं। उनकी मानें तो वे रियल लाइफ में बहुत ही इमोशनल हैं और इस शो की शूटिंग के दौरान, वे खुद को कई बार भावुक होने से नहीं रोक पाई। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, मौनी ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प बातें शेयर की। बातों-ही-बातों में उन्होंने इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनने की ख्वाहिश भी जताई।

खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई

इस शो में जो ह्यूमन इमोशंस मैंने अनुभव किए वो बहुत ही अलग है। कहने को मैं श्क्वीन अ फ हार्ट्सश हूं लेकिन मुझे एहसास होता था कि मैं भी इस सोशल एक्सपेरिमेंट का हिस्सा हूं। जो कुछ कंटेस्टेंट्स इस जर्नी के दौरान महसूस करते थे, मैं भी उनके साथ-साथ वह इमोशंस से गुजरती थी। ये एक ऐसा रियलिटी शो है जो स्क्रिप्टेड नहीं हैं।शो साइन करने के दौरान, मैंने सोचा भी नहीं था कि इन इमोशंस से मुझे भी गुजरना होगा। मैंने सोचा था कि मैं अपना १००: शो को दूंगी और बस अपना काम खत्म करके घर लौट आऊंगी। लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं होता था। मैं बहुत ही इमोशनल इंसान हूं और इस शो में मेरे इमोशंस काफी बाहर आए। मैं खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई।

पार्टनर के साथ बान्डिंग है अच्छी

जी हां, मुझे लगता है कि हर व्यक्ति इससे गुजरता है। हालांकि, अब तक मेरे पार्टनर के साथ मेरी ब न्डिंग बहुत अच्छी है और मुझे किसी तरह की कोई शिकायत नहीं। देखिए, प्यार की परीक्षा हम सब देते है। ये शो एक ऐसा लव एक्सपेरिमेंट हैं, एक ऐसा सोशल एक्सपेरिमेंट हैं जहां एक कपल अपने मन से आता है। शुरुआत में मेरी भी यही सोच थी कि कोई कपल इस तरह के शो का हिस्सा क्यों बनेगा? लेकिन वक्त के साथ समझ आया कि इनके एक-दूसरे के लिए कई सवाल है जिसका जवाब शायद उन्हें इस शो में मिले।

बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक

इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनना चाहूंगी। मुझे बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक है। यदि मौका मिला तो मैं कोई डांस ड्रामा का हिस्सा बनना चाहूंगी खासतौर पर कोई इंडियन क्लासिकल ड्रामा। मुझे क्लासिकल डांसिंग से बहुत ज्यादा लगाव है। बचपन में थोड़ा बहुत सीखने का मौका मिला था लेकिन उसे आगे नहीं बढ़ा पाई। वैसे तो मुझे हर किस्म का डांस पसंद है लेकिन मेरा फेवरेट या यूं कहे कि मेरा झुकाव क्लासिकल डांसिंग की तरफ ज्यादा है। इसमें भी कत्थक मेरा फेवरेट डांस फ र्म है। अभी तो मुझे डांस सीखने का मौका बिलकुल नहीं मिलता लेकिन ये एक ऐसी चीज है जिसके लिए समय निकालना चाहूंगी। काश, डांस फिर से सीखने का मौका मिला और कोई सिखाए तो, जरूर करना चाहूंगी।

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद आया बदलाव

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद, जिस तरह के आफर्स मिल रहे हैं, उसमें बदलाव है। सबसे अच्छी बात ये है कि अब चुनने के लिए बहुत कुछ है जो पहले नहीं था। मैं अब केवल अच्छा काम करना चाहती हूं, अलग-अलग किस्म के रोल करना चाहती हूं। मैं इस बात पर बहुत फोकस्ड हूं।

डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी

देखिए, अभी तो नहीं कर पाउंगी और इसकी वजह बस यही है कि टीवी में आपको बहुत टाइम देना पड़ता है। एक डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आपने उस शो के लिए कमिटमेंट दी है तो आपको अपना १००: देना ही होगा और वह भी हर दिन। मैं इसके लिए तैयार नहीं। लेकिन हां, यदि टीवी पर कुछ और करने का मौका मिला, तो जरूर सोचूंगी।

नागिन शो देने के लिए एकता कपूर की शुक्रगुजार रहूंगी

आज जो कुछ भी मेरे पास है, वह इसी शो की वजह से है। इस शो के जरिए मैं ज्यादा लोगों तक पहुंच पाई। वह इतना प पुलर शो है। सिर्फ मैं ही नहीं, जिन-जिन एक्टर्स ने नागिन का किरदार अब तक निभाया, मुझे यकीन है कि हर एक को कुछ-न-कुछ उस शो से जरूर मिला होगा। मेरे लिए नागिन किसी आशीर्वाद से कम नहीं। मैं हमेशा एकता मैम (एकता कपूर) को ये शो देने के लिए शुक्रगुजार रहूंगी।

पहली बार चैंपियन बना पंजाब

फाइनल में बड़ौदा को 20 रन से हराया, अनमोलप्रीत का शतक

स्पोर्ट्स डेस्क। पंजाब ने बड़ौदा को २० रन से हराकर पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्राफी का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले पंजाब ने टूर्नामेंट के इतिहास में चार फाइनल खेले और चारों बार उसे हार मिली थी। सोमवार को पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने ५८ गेंदों में शतक बनाया। उन्होंने ६१ गेंदों में १० चौकों और छह छक्कों की मदद से ११३ रन बनाए। उनके शतक के चलते पंजाब ने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी फाइनल में चार विकेट पर २२३ रन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। यह सैयद मुश्ताक अली ट्राफी फाइनल में पंजाब के किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर था और टूर्नामेंट में कुल मिलाकर चौथा उच्चतम स्कोर था। टूर्नामेंट में राज्य की ओर से सर्वाधिक स्कोर बनाने का रिक र्ड शुभमन गिल के नाम है।

अनमोलप्रीत दो विकेट पर १८ रन पर बल्लेबाजी करने आये और उन्होंने शुरुआत में कप्तान मनदीप सिंह के साथ पारी को आगे बढ़ाया और ६२ रन की साझेदारी की, जब क्रुणाल पांड्या ने मनदीप को आउट किया, जिनके असफल रिवर्स स्वीप ने अतीत सेठ को कैच थमा दिया। यह तब था जब पंजाब की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी थी, क्योंकि अनमोलप्रीत ने नेहल वढेरा के साथ मिलकर बोर्ड पर १३८ रन बनाए, जिसने २०१६-२० में तमिलनाडु के खिलाफ कर्नाटक द्वारा पांच विकेट पर १८० रन के फाइनल में पिछले रिकार्ड स्कोर को पीछे छोड़ दिया। नेहल ने भी २७ गेंदों पर ६१ रन बनाए। बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंजाब ने २० ओवर में चार विकेट पर २२३ रन का बड़ा स्कोर बनाया। अनमोल ने अपनी पारी में ६१ गेंदों में १० चौके और ६ छक्के जड़े, जबकि नेहाल २७ गेंदों की पारी में छह चौके और चार शानदार छक्के लगाए। एक समय पंजाब के दो विकेट १८ और तीन विकेट ८० रन पर गिर गए थे। लेकिन अनमोल और नेहाल ने चौथे विकेट के लिए १३८ रन की साझदेारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। बड़ौदा के लिए क्रुणाल पांड्या, सोयब और अतीत को एक-एक विकेट मिला। जवाब में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (४ध्२३) की शानदार गेंदबाजी के दम पर पंजाब ने बड़ौदा को २० ओवर में सात विकेट पर २०३ रन पर रोककर जीत हासिल की। अर्शदीप ने १९वें ओवर में तीन विकेट लेकर मैच को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। अभिमन्युसिंह राजपूत (६१) ने बड़ौदा के लिए सर्वाधिक रन बनाए।

श्रीलंका में नाटक जारी, क्रिकेट बोर्ड बहाल

विश्वकप में लगातार हारने के बाद गुस्साये खेल मंत्री ने किया था बर्खास्त

स्पोर्ट्स डेस्क। विश्व कप में भारत से शर्मनाक हार के कुछ दिन बाद श्रीलंका के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने सोमवार को अपने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अदालत का सहारा लिया। श्रीलंका कोर्ट आफ अपील ने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने के खेल मंत्री के फैसले को रद्द कर दिया है और पूरी सुनवाई लंबित रहने तक मंगलवार को निष्कासित अधिकारियों को बहाल कर दिया। अदालत ने बोर्ड अध्यक्ष शम्मी सिल्वा की वह याचिका स्वीकार कर ली जिसमें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने और अंतरिम समिति नियुक्त करने के मंत्री रोशन रणसिंघे के कदम को चुनौती दी गई थी। अदालत के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है, बोर्ड की बहाली दो सप्ताह के लिए है जब अदालत मामले की फिर से सुनवाई करेगी। बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि सिल्वा को पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति को पद पर बने रहने से रोकने का आदेश हासिल करने के बाद काम पर लौटना था। सरकार ने बोर्ड के बकाया मुद्दों के समाधान के लिए एक कैबिनेट समिति भी नियुक्त की थी।

इससे पहले श्रीलंका के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने विश्व कप में भारत से मिली शर्मनाक हार के बाद सोमवार को राष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर रणसिंघे का श्रीलंका क्रिकेट के साथ महीनों से विवाद चल रहा है। रणसिंघे के कार्यालय ने एक बयान में कहा था कि देश के १९९६ विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बयान के अनुसार, खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने श्रीलंका क्रिकेट के लिए अंतरिम समिति का गठन भी किया था।

नए सात सदस्यीय पैनल में सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज और बोर्ड के एक पूर्व अध्यक्ष भी शामिल थे। यह कदम बोर्ड के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी सचिव मोहन डी सिल्वा के इस्तीफा देने के एक दिन बाद उठाया गया था। रणसिंघे ने पिछले सप्ताह विश्व कप में मेजबान भारत के हाथों श्रीलंका की ३०२ रन की हार के बाद सार्वजनिक रूप से पूरे बोर्ड के इस्तीफे की मांग की थी। भारत के ३५८ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम एक समय १४ रन पर छह विकेट गंवा दिए थे और ५५ रन पर सिमट गई थी, जो विश्व कप के इतिहास में चौथा सबसे कम स्कोर है।

श्रीलंका में भड़का जनाक्रोश

इस हार के बाद जनाक्रोश भड़क उठा और विरोध प्रदर्शन के बाद से कोलंबो में बोर्ड कार्यालय के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। रणसिंघे ने कहा था कि श्रीलंका क्रिकेट के अधिकारियों को पद पर बने रहने का कोई नैतिक या नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, श्बोर्ड के अधिकारियों को स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने पहले बोर्ड पर देशद्रोही और भ्रष्ट होने का आरोप लगाया था। श्रीलंकाई टीम सोमवार को बांग्लादेश से हारकर विश्व कप से भी बाहर हो गई।

रणसिंघे ने आईसीसी से समर्थन की मांग की थी

रणसिंघे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्ण सदस्यों को पत्र लिखकर आपसी समझ और समर्थन की मांग की थी। श्रीलंकाई मीडिया को जारी पत्र में रणसिंघे ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक मुद्दों, प्रबंधन भ्रष्टाचार, वित्तीय कदाचार और मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिरा हुआ है। खेल मंत्री को आईसीसी ने बोर्ड में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए पिछले महीने नियुक्त तीन सदस्यीय पैनल को वापस लेने के लिए मजबूर किया था क्योंकि इसे राजनीतिक हस्तक्षेप माना गया था।

आईसीसी ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

आईसीसी ने रणसिंघे के ताजा कदम पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। श्रीलंका ने १९९६ के बाद से विश्व कप नहीं जीता है और रणसिंघे ने बोर्ड को इस खराब स्तर के लिए जिम्मेदार ठहराया है। एक अन्य कैबिनेट मंत्री प्रसन्ना रणतुंगा ने अगस्त में संसद को बताया था कि १९९६ की जीत हमारे क्रिकेट के लिए सबसे बड़ा अभिशाप थी। उन्होंने कहा, १९९६ के बाद क्रिकेट बोर्ड में पैसा आना शुरू हुआ और इसके साथ ही वे लोग आए जो चोरी और भ्रष्टाचार करना चाहते थे। पूर्व खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने २०१९ में यह कहते हुए कड़े भ्रष्टाचार विरोधी कानून पेश किए थे कि आईसीसी श्रीलंका को दुनिया के सबसे भ्रष्ट क्रिकेट देशों में से एक मानता है।

यह क्रिकेट है, मजाक नहीं

समर्थन में उतरे भारत के दिग्गज क्रिकेटर

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप २०२३ के ३८वें मैच में श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज जिस तरह से आउट हुए, वह चर्चा का विषय बन गया है। एंजेलो मैथ्यूज को 'टाइम आउट' दिया गया। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन की अपील के बाद अंपायर ने यह फैसला लिया और मैथ्यूज को बिना कोई गेंद खेले ही पवेलियन जाना पड़ा। अंपायर के इस फैसले के बाद फैंस और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह का गुस्सा फूटा है। भज्जी ने अपने यूट्यूब चौंनल पर टाइम आउट विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मैथ्यूज सही समय पर क्रीज पर पहंच गए थे और वह पहली गेंद खेलने के लिए भी तैयार थे। जब वह अपना हेलमेट सही कर रहे थे, तो उन्होंने देखा कि उसका हूक टूटा हुआ है। इसके बाद उन्हें वह बदलना तो था ही, जिसके लिए उन्होंने साथी खिलाड़ी से नया हेलमेट मंगवाया। इस बीच नए हेलमेट के आने में देरी हुई और शाकिब ने अपील की २ मिनट बीत चुके है और अंपायर्स ने उनकी बात पर सहमति जताई। ये जानते हुए कि मैथ्यूज का हेलमेट टूटा हुआ है। भज्जी ने आगे कहा कि मैं उनसे पूछता हूं कि क्या मैथ्यूज को टूटे हेलमेट से ही खेलना चाहिए था? अगर वह टूटे हेलमेट के साथ खेलते और मान लीजिए गेंद उनके हेलमेट पर लगती तो लोग यही सवाल करते था कि उन्होंने अपना हेलमेट क्यों नहीं बदला। यह सिर्फ एक विवाज बनाया गया और कुछ नहीं। यह क्रिकेट है, कोई मजाक नहीं। बाकी चीजों के लिए जैसे खिलाड़ियों के बीच लड़ाई और ड्र मा जब होता है उसके लिए तो बहुत समय दिया जाता है। श्रीलंका टीम के आलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज को बांग्लादेश के खिलाफ टाइम आउट दिया गया, जिसके चलते वह मैदान पर बिना कोई गेंद खेले ही आउट हुए। बता दें कि एंजेलो मैथ्यूज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टाइम आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बने। हुआ कुछ ऐसा था कि जब सदीरा के आउट होने के बाद नए बल्लेबाज के रूप में एंजेलो क्रीज पर आ रहे थे , तो इस वक्त हेलमेट लगाते वक्त उनका स्ट्रैप टूट गया और उन्होंने ड्रेसिंग रूप से दूसरा हेलमेट लाने का इशारा किया, लेकिन इसमें दो मिनट से ज्यादा का समय लग गया। इस बीच शाकिब ने फायदा उठाया और अंपायर्स से अपील की और अंपायर्स ने मैथ्यूज को टाइम आउट दिया।

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच वनडे विश्व कप 2023 का 38वां मैच खेला गया जिसमें बांग्लादेश को 3 विकेट से जीत मिली। इस मैच में एक बड़ा विवाद देखने को मिला जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज को टाइम आउट देकर पवेलियन की राह दिखाई गई। इस कड़ी में अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह का गुस्सा फूटा है।

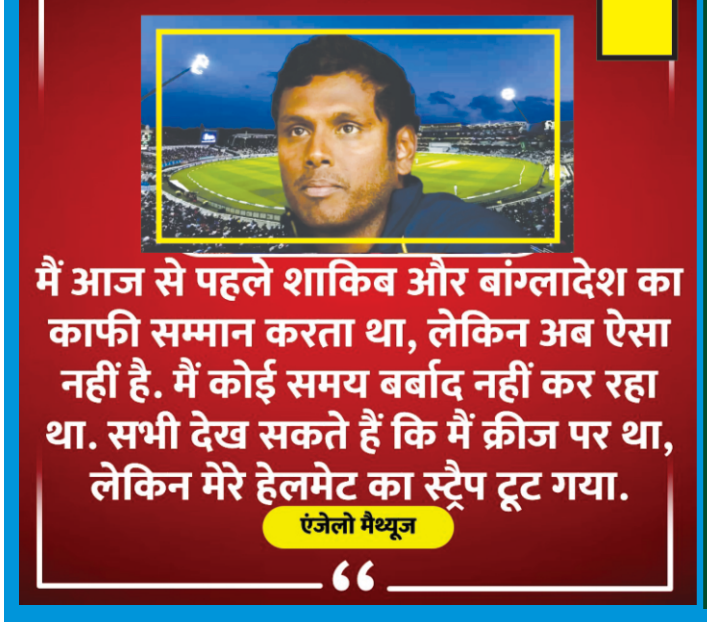

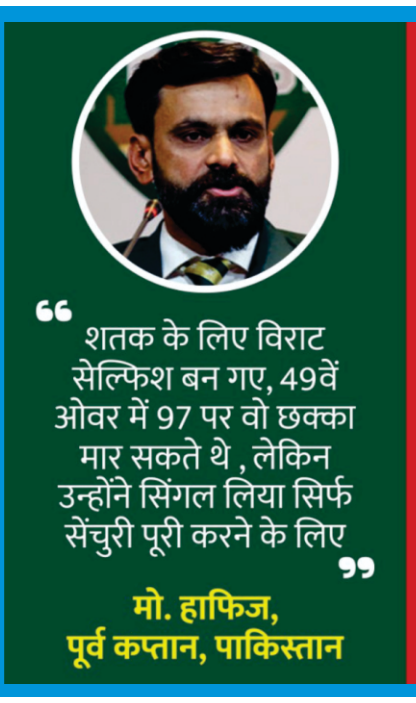

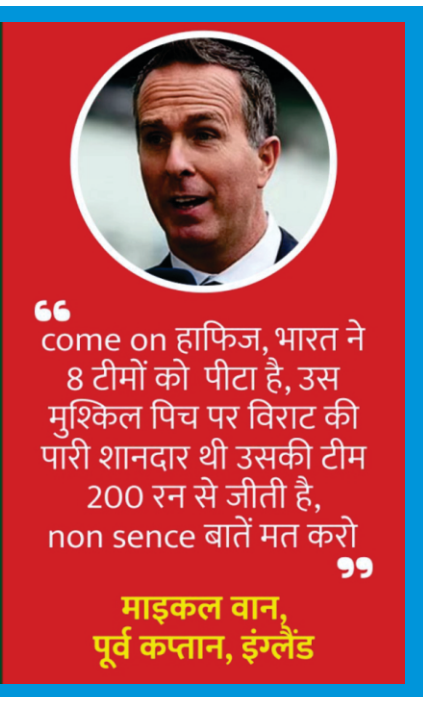

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।